गांधी जी के सुविचार

दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

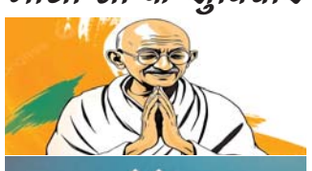

शक्ति शारीरिक क्षमता से नहीं आती है
यह एक अदम्य इच्छा शक्ति से आती है

# क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-210 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 30 सितम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

## आम आदमी क्यों भुगते, सुप्रीम कोर्ट ने दवाओं की कीमतों में भारी बढ़ोतरी पर चिंता जताई, मार्जिन फिक्स करने को कहा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दवाओं की बढ़ती और पारदर्शिता से रहित कीमतों पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को गंभीर चिंता जताई। न्यायालय ने कहा कि अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) और खुदरा विक्रेता के लिए निर्धारित कीमत के बीच भारी अंतर आम आदमी पर आर्थिक बोझ डाल रहा है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि जब मरीजों को अस्पताल के भीतर मौजूद दवा विक्रेता से ही दवाएं खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है, तो कीमतों में कई गुना अंतर का सवाल और गंभीर हो जाता है।

सुनवाई के दौरान पीठ ने एक इंजेक्शन का उदाहरण देते हुए बताया कि उसकी अधिकतम खुदरा कीमत 22,437 रुपये है, जबकि खुदरा विक्रेता के लिए कीमत करीब 3,520 रुपये है। पीठ ने सवाल किया कि जब कोई मरीज यही दवा बाहर किसी विक्रेता से बहुत कम कीमत में खरीद सकता है, तो अस्पताल में उससे कई गुना अधिक राशि क्यों वसूली जाती है और इस अंतर की रकम आखिर किसकी जेब में जाती है।सुप्रीम कोर्ट ने दवाओं की कीमतों में एक समान व्यवस्था लागू करने का सुझाव दिया। पीठ ने पूछा कि औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश (डीपीसीओ) के तहत अधिकतम खुदरा मूल्य पर 16 प्रतिशत से अधिक का लाभांश क्यों नहीं सीमित किया जा सकता। पीठ के अनुसार, इससे अनावश्यक मुनाफाखोरी पर अंकुश लगाया जा सकता है और सरकारी योजनाओं के माध्यम से इलाज कराने वाले मरीजों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ भी कम हो सकता है।

यह सुनवाई दवाओं की कीमतों और आवश्यक दवाओं पर प्रभावी मूल्य नियंत्रण से जुड़े दो याचिकाओं पर हो रही थी। सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने पीठ के समक्ष एक लिखित नोट प्रस्तुत किया।

## अमेरिकी वीजा के लिए भारतीयों की बढ़ी मुश्किलें, साक्षात्कार के लिए 346 दिन तक इंतजार

नई दिल्ली (आरएनएस)। अमेरिका जाने की योजना बना रहे भारतीय नागरिकों को इन दिनों वीजा प्रक्रिया में लंबा इंतजार और बढ़ती लागत, दोनों का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी सरकारी जवाबदेही कार्यालय (जीएओ) की ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025 में भारतीय आवेदकों को गैर-आप्रवासी वीजा के साक्षात्कार के लिए औसतन 346 दिन तक इंतजार करना पड़ा। कोरोना महामारी से पहले यह औसत प्रतीक्षा अवधि महज 42 दिन थी। इस तरह मौजूदा इंतजार पहले की तुलना में करीब आठ गुना बढ़ गया है।

जीएओ की रिपोर्ट में वित्तीय वर्ष 2019 से 2025 तक के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, वीजा की मांग में लगातार बढ़ोतरी के मुकाबले आवेदनों को संसाधित करने की अमेरिकी दूतावासों की क्षमता पर्याप्त नहीं रही।

त्रिपुरा के राज्यपाल इंद्र सेना रेड्डी नल्लू ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

## लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए चुनाव आयोग की आजादी सबसे जरूरी शर्तः खरगे

*-कांग्रेस अध्यक्ष ने ज्ञानेश कुमार को मोदी सरकार का कठपुतली बताया*

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वे भारतीय जनता पार्टी और मोदी सरकार के हाथों की कठपुतली बन गए हैं। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में खरगे ने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र की मोदी सरकार ने सुनियोजित तरीके से देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं और उनकी नींव को कमजोर किया है।

खरगे ने कहा कि वोटर सूची से नाम हटाने का काम सोची-समझी साजिश के तहत किया जा रहा है और मुख्य चुनाव आयुक्त सरकार के दबाव में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मूल भावना यह है कि प्रत्येक योग्य नागरिक का मतदान का अधिकार सुरक्षित रहे और हर मत की निष्पक्ष तरीके से गणना हो।

कांग्रेस अध्यक्ष ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर का उल्लेख करते हुए कहा कि सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार लोकतंत्र का सबसे बुनियादी आधार है। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र मतदाता को किसी अधिकारी के पूर्वाग्रह या मनमाने फैसले के कारण मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाना चाहिए।खरगे ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू और डॉ. अंबेडकर यह समझते थे कि लोकतांत्रिक भागीदारी के बिना गरीबों और वंचित वर्गों की आवाज अनसुनी रह जाएगी। इसी कारण संविधान निर्माताओं ने प्रत्येक वयस्क नागरिक को मतदान का अधिकार देने का समर्थन किया था।उन्होंने आरोप लगाया कि आज इसके विपरीत स्थिति दिखाई दे रही है। खरगे ने कहा कि जिस संस्था को लोगों के मतों का संरक्षक बनाया गया है, उसी पर मतदाताओं के अधिकारों को प्रभावित करने के आरोप लग रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि जिस मुख्य चुनाव आयुक्त पर विपक्षी दल और उनके सहयोगी आयुक्त भी सवाल उठा रहे हैं, उस स्थिति में देश चुनाव आयोग पर कैसे भरोसा करेगा।

## जम्मू-कश्मीर में कठुआ में सीआईएसएफ कैंप में फायरिंग, जवान ने सहकर्मियों पर बरसाई गोलियां, असिस्टेंट कमांडेंट समेत 4 की मौत

कठुआ,(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के बसोहली क्षेत्र में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक जवान ने अपने साथियों पर कथित रूप से अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस घटना में सहायक कमांडेंट समेत सीआईएसएफ के चार जवानों की मौत हो गई। गोलीबारी में कई जवानों के घायल होने की भी सूचना है। घटना के बाद आरोपी जवान को कठुआ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

मृतकों की पहचान सहायक कमांडेंट अंकित कुमार पांडे, उपनिरीक्षक लक्ष्मण सिंह, आरक्षक रफीक अहमद और आरक्षक संदीप कुमार के रूप में हुई है। सभी जवान हिमाचल प्रदेश की सीमा से लगे बसोहली क्षेत्र में स्थित एक विद्युत परियोजना की सुरक्षा में तैनात थे।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जवानों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इसी दौरान एक जवान ने अपने सरकारी हथियार से अचानक साथियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। घटना के बाद परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

सूत्रों के अनुसार, आरोपी जवान की पहचान प्रधान आरक्षक अवधेश कुमार सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह कार्यालय परिसर में घुसा और अपनी सरकारी एके-47 राइफल से गोलीबारी शुरू कर दी। उसके पास करीब 150 कारतूस होने की बात भी सामने आई है। हालांकि, घटना की वास्तविक वजह और गोलीबारी के पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है।घटना की सूचना मिलते ही कठुआ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। सीआईएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और मामले की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस तथा सुरक्षा बलों की ओर से घटनास्थल का निरीक्षण कर घटना से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है।गोलीबारी की घटना से बसोहली क्षेत्र में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया। शुरुआती तौर पर लोगों को घटना के कारणों की जानकारी नहीं थी। बाद में स्पष्ट हुआ कि सुरक्षा बल के एक जवान ने ही अपने साथियों पर गोली चलाई थी।

## चलती कार से आभासी सुनवाई में शामिल हुए वकील पर दिल्ली हाई कोर्ट ने लगाया एक लाख रुपये जुर्माना

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली हाई कोर्ट ने चलती कार से आभासी सुनवाई में शामिल होने वाले एक अधिवक्ता पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि आभासी माध्यम से सुनवाई की सुविधा अदालत की मर्यादा और न्यायिक कार्यवाही के सुचारु संचालन की कीमत पर नहीं दी जा सकती। न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला ने कहा कि इस तरह का आचरण आभासी सुनवाई के लिए लागू नियमों का उल्लंघन करने के साथ-साथ अदालत की गरिमा को भी प्रभावित करता है।अदालत दक्षिण इंडियन बैंक और यूनियन बैंक की ओर से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के खिलाफ शुरू की गई प्रवर्तन कार्यवाही से जुड़े मामले की सुनवाई कर रही थी।

## श्राद्ध कार्यक्रम के दौरान बड़ा हादसा, सुखनई नदी में डूबने से पिता-पुत्र समेत 5 लोगों की मौत

झांसी (ए.)। मऊरानीपुर कोतवाली क्षेत्र के देवरी सिंह पुरा में मंगलवार को सुखनई नदी में जल तर्पण के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। गहरे पानी में डूबने से एक ही परिवार के चार सदस्यों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 12 वर्षीय बच्चा भी शामिल है। हादसे के बाद गांव में मातम पसर गया और नदी किनारे बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। जानकारी के अनुसार, देवरी सिंह पुरा निवासी अनूप तिवारी अपने चाचा काशी प्रसाद तिवारी के पटा श्राद्ध कार्यक्रम के तहत मंगलवार करीब 11:30 बजे सुखनई नदी में पूर्वजों को जल तर्पण करने पहुंचे थे। उनके साथ उनका 12 वर्षीय बेटा अर्पित, परिवार के अभिनव तिवारी (25),

श्रेयांश तिवारी (21) और जालौन के हरेदाई निवासी पुष्कर शुक्ला (23) भी थे। बताया गया कि जल तर्पण के दौरान अचानक अनूप तिवारी का संतुलन बिगड़ गया और वह गहरे पानी में चले गए। उन्हें डूबता देख अर्पित समेत चारों युवक बचाने के लिए नदी में उतर गए। इसी दौरान सभी का संतुलन बिगड़ गया और पांचों तेज धारा में बहते हुए पानी में डूब गए। हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर बचाव अभियान शुरू किया। सूचना मिलने पर मऊरानीपुर एसडीएम, सीओ और पुलिस बल भी घटनास्थल पर पहुंचा। ग्रामीण गोताखोरों की मदद से नदी में तलाशी अभियान चलाया गया। काफी मशक्कत के बाद पांचों को नदी से बाहर निकाला गया और मऊरानीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद सभी को मृत घोषित कर दिया मृतकों की पहचान अनूप तिवारी, उनके बेटे अर्पित, अभिनव तिवारी, श्रेयांश तिवारी और पुष्कर शुक्ला के रूप में हुई है।

## हिमाचल प्रदेश के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में बर्फ की सफेद चादर, तापमान 10 डिग्री गिरा

शिमला, (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश के ऊंचे पहाड़ी इलाकों पर सितंबर के आखिर में मौसम बदल गया है। यहां की कांगड़ा घाटी की धौलाधार पर्वत श्रृंखला पर सीजन का पहला हिमपात हुआ है। किन्नौर, लाहौल-स्पीति और कुल्लू के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में भी बर्फबारी से ठंड बढ़ गई है। कई इलाकों में तापमान 10 डिग्री तक गिरा है। घाटी के हिल स्टेशन धर्मशाला, पालमपुर और बीड़ बिलिंग में भी मौसम में जबरदस्त ठंड देखने को मिल रही है।

मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार रात को किन्नौर जिले के कल्पा गांव में 18 साल बाद सितंबर में सबसे कम न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है, जो 4.4 डिग्री सेल्सियस है। 24 सितंबर, 2008 को कल्पा में न्यूनतम तापमान 3 डिग्री था।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया कि मंगलवार 29 सितंबर को हिमाचल के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है और ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना है।

प्रदेश में कुल्लू जिले के मनाली में भी मंगलवार को बर्फबारी हुई है। हालांकि, यह पहाड़ों की सफेद चोटियों पर साफतौर पर दिखी है, जो आसमान साफ होने के बाद नजर आया।मौसम विभाग का कहना है कि हिमाचल प्रदेश में गुरुवार से मौसम साफ और शुष्क होगा।

पहाड़ों पर सेब की फसल टूटने का समय है, ऐसे में बर्फबारी से फसल पर असर पड़ने और यातायात प्रभावित होने की संभावना है।

## उज्जैन में शाही मस्जिद को पूरी तरह ध्वस्त करने के एआई वीडियो से भड़की थी भीड़, 15 गिरफ्तार

उज्जैन (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में शाही मस्जिद के एक हिस्से को हटाने को लेकर सोमवार को हुए हिंसक विरोध के पीछे फर्जी तरीके से तैयार किया गया कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) वीडियो सामने आया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मस्जिद समिति के कुछ सदस्य इस फर्जी वीडियो से गुमराह हो गए थे। इसके बाद युवाओं के एक समूह को भड़काया गया और विरोध प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया।

पुलिस के मुताबिक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार किए गए वीडियो में शाही मस्जिद को पूरी तरह ध्वस्त करते हुए दिखाया गया था। उज्जैन के पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि वीडियो में मस्जिद को एक अर्थमूवर मशीन से पूरी तरह गिराते हुए दिखाया गया था, जबकि यह वीडियो वास्तविक नहीं था। सोशल मीडिया पर वीडियो और उससे जुड़ी अफवाहें फैलने के बाद कुछ लोगों को विश्वास हो गया कि प्रशासन पूरी मस्जिद को ध्वस्त करने जा रहा है।

उज्जैन में वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ पर्व को देखते हुए सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा है। इसी परियोजना के तहत प्रशासन रविवार रात शाही मस्जिद के एक हिस्से को हटाने के लिए पहुंचा था। इसके विरोध में हजारों स्थानीय लोगों ने मस्जिद के चारों ओर मानव श्रृंखला बना ली। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए करीब 2,500 पुलिसकर्मियों को बुलाना पड़ा। बाद में प्रशासन और संबंधित पक्षों के बीच आपसी सहमति से मामला शांत हो गया।

हालांकि, सोमवार को प्रशासनिक अधिकारियों के दोबारा मौके पर पहुंचने के बाद भीड़ फिर जुट गई और स्थिति हिंसक हो गई। पुलिस को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में तीन पुलिस थानों में 20 लोगों के खिलाफ आठ प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इनमें पांच सामग्री निर्माताओं और कुछ सामाजिक माध्यम पृष्ठों को भी आरोपी बनाया गया है। जांच के दौरान अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस ने 100 से अधिक इंस्टाग्राम खातों के संबंध में भी रिपोर्ट दर्ज की है। उज्जैन शहर के काजी रहमान की शिकायत पर भी प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस अब उस मूल वीडियो को तैयार करने और सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित करने वालों की पहचान में जुटी है। अधिकारियों का कहना है कि वीडियो को बार-बार साझा करने वाले लोगों की भी जांच की जा रही है। पुलिस इस बात का पता लगाने का प्रयास कर रही है कि फर्जी वीडियो सबसे पहले किसने तैयार किया और इसे किस उद्देश्य से प्रसारित किया गया।

अधिकारियों के अनुसार, घटना ने सामाजिक माध्यमों पर भ्रामक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार सामग्री के प्रसार से पैदा होने वाले खतरे को भी सामने ला दिया है। पुलिस ने लोगों से अपुष्ट वीडियो और सूचनाओं पर भरोसा नहीं करने तथा उन्हें आगे प्रसारित करने से बचने की अपील की है।

# प्रदेश के समग्र विकास और जनहित को गति देने के लिए 24 हजार 500 करोड़ रूपये की स्वीकृति

## पुलिस आरक्षक सहित विशेष सशस्त्र बल,जेल प्रहरी,वन रक्षक और आबकारी आरक्षक के पदों पर मिलेगा आरक्षण

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के समग्र विकास और जनहित को गति देने के लिए लगभग 24 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं को मंजूरी दी। युवाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए मंत्रि-परिषद ने पुलिस आरक्षक, विशेष सशस्त्र बल, जेल प्रहरी, वन रक्षक और आबकारी आरक्षक जैसी वर्दीधारी सेवाओं में अग्निवीरों को 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने का बड़ा फैसला किया है।शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 76 हजार से अधिक अतिथि शिक्षकों के मानदेय के लिए आगामी पांच वर्षों के लिए 5,329.17 करोड़ रुपये, स्कूली विद्यार्थियों को गणवेश राशि के लिए 348 करोड़ 7 लाख रुपये तथा स्वास्थ्य केंद्रों व औषधि नियंत्रण के लिए 3,245 करोड़ 80 लाख रुपये स्वीकृत किए गए। अधोसंरचना विस्तार के तहत 4,470 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से दमोह-कटनी 4-लेन मार्ग निर्माण, ग्रामीण विकास निधि के लिए 3,580 करोड़ 22 लाख रुपयें और सिंहस्थ 2028 के दृष्टिगत उज्जैन की कान्ह डायवर्सन परियोजना सहित दतिया, नीमच व सागर की बंडा वृहद सिंचाई परियोजनाओं की निरंतरता को स्वीकृति दी गई। यह निर्णय प्रदेश में रोजगार, बुनियादी ढांचे और सामाजिक कल्याण को गति प्रदान करेंगे।

## मुख्यमंत्री डॉ.यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिये गए निर्णय



पुलिस आरक्षक सहित विशेष सशस्त्र बल,जेल प्रहरी,वन रक्षक और आबकारी आरक्षक के पदों पर अग्निवीरों को मिलेगा 20 प्रतिशत आरक्षण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की युवाओं को सशक्त बनाने की मंशा के अनुरूप मंत्रिपरिषद ने प्रदेश की वर्दीधारी सेवाओं में अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मंत्रि-परिषद के निर्णय अनुसार अब गृह विभाग के अंतर्गत आरक्षक (सामान्य ड्यूटी)की भर्ती में होमगार्ड को 10, भूतपूर्व सैनिक को 5 और अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। इसी तरह गृह विभाग अंतर्गत विशेष सशस्त्र बल में होमगार्ड को 10, भूतपूर्व सैनिक को 5 और अग्निवीरों 20 प्रतिशत, जेल विभाग अंतर्गत जेल प्रहरी में होमगार्ड को 15, भूतपूर्व सैनिक को 5 और अग्निवीरों को 20, वन विभाग अंतर्गत वन रक्षक में होमगार्ड को 15, भूतपूर्व सैनिक को 5 और अग्निवीरों को 20 प्रतिशत तथा वाणिज्यिक कर विभाग अंतर्गत आबकारी आरक्षक में होमगार्ड को 10, भूतपूर्व सैनिक को 5 और अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण (हॉरिजेन्टल) दिये जाने का निर्णय लिया गया है।

**कक्षा 1 से 8 तक शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को गणवेश की राशि प्रदाय करने के लिए 348 करोड़ 7 लाख रूपये की स्वीकृति**

मंत्रि-परिषद ने सत्र 2026-27 में कक्षा 1 से 8 तक शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र और छात्राओं के लिये गणवेश की राशि डीबीटी के माध्यम से छात्र, छात्राओं और पालकों के खातों में प्रदाय करने के लिए 348 करोड़ 7 लाख रूपये की स्वीकृति दी है।

**अतिथि शिक्षकों को मानदेय प्रदाय करने के लिए 5,329 करोड़ 17 लाख रूपये की स्वीकृति**

मंत्रि-परिषद ने अतिथि शिक्षकों के मानदेय प्रदाय संबंधी योजना को आगामी 5 वर्षों 2026-27 से 2030 -31 तक निरंतर संचालन के लिए 5,329 करोड़ 17 लाख रूपये की स्वीकृति दी है। प्रदेश के शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी शालाओं में शिक्षकों के विषयमान से स्वीकृत पदों में से रिक्त पदों पर अतिथि शिक्षकों के माध्यम से अध्यापन की व्यवस्था की जाती है। प्रदेश में वर्तमान में 76 हजार से अधिक अतिथि शिक्षक कार्यरत है।

**सिंगरौली में 605 बिस्तरीय जिला चिकित्सालय निर्माण के लिए 372 करोड़ 12 लाख रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति**

मंत्रि-परिषद ने जिला चिकित्सालय सिंगरौली में अतिरिक्त 155 बिस्तरों की वृद्धि करते हुए 450 से 605 बिस्तरीय चिकित्सालय में विस्तार कार्य के साथ आंतरिक और बाह्य विकास कार्यों तथा बॉयोमेडिकल उपकरण एवं अस्पताल फर्नीचर आदि कार्य के लिए 372 करोड़ 12 लाख रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में जिला चिकित्सालय सिंगरौली के परिसर में 400 बिस्तरीय अस्पताल भवन एवं 50 बिस्तरीय क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉक के एकजाई भवन निर्माण कार्य के लिए 188 करोड़ 72 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई थी। जिला चिकित्सालय के क्षेत्रफल वृद्धि एवं 450 बिस्तर से 605 बिस्तरीय अस्पताल भवन सहित अन्य कार्य के फलस्वरूप लागत में वृद्धि होने से राशि रूपये 372 करोड़ 12 लाख रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

**दमोह-कटनी मार्ग के निर्माण के लिए 4,470 करोड़ 30 लाख रूपये की स्वीकृति**

मंत्रि-परिषद ने दमोह-कटनी मार्ग लम्बाई 105.10 कि.मी. का 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर के साथ हाईब्रिड एन्यूटी मॉडल (एच.ए.एम) के लिए बनाए गए मॉडल कंसेशन एग्रीमेंट के आधार पर निर्माण के लिए 4,470 करोड़ 30 लाख रूपये (जीएसटी सहित) की प्रशासकीय स्वीकृति दी है।

## सतपुड़ा की यूनिट-11 ने लगातार 150 दिन बिजली उत्पादन का बनाया कीर्तिमान : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

### 100.01 प्रतिशत प्लांट उपलब्धता और 89.58 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर हासिल

भोपाल (आरएनएस)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि सतपुड़ा ताप विद्युत गृह, सारनी की 250 मेगावाट क्षमता वाली यूनिट क्रमांक-11 ने लगातार 150 दिनों तक निर्बाध विद्युत उत्पादन कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी के पूरे स्टाफ को बधाई दी है।

यूनिट-11 ने 2 मई 2026 से लगातार संचालन के दौरान 100.01 प्रतिशत प्लांट उपलब्धता कारक (Plant Availability Factor), 89.58 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर (Plant Load Factor) और 8.29 प्रतिशत सहायक विद्युत खपत (APC) दर्ज किए। यह प्रदर्शन यूनिट की ऑपरेशन दक्षता और मेंटेनेंस व्यवस्था की निरंतरता को दर्शाता है। 100 दिन के बाद अब 150 दिन लगातार संचालनयूनिट-11 ने इसी वित्तीय वर्ष में 12 अगस्त को लगातार 100 दिनों तक निर्बाध संचालन का कीर्तिमान बनाया था। इसके बाद भी यूनिट का संचालन लगातार जारी रहा और अब उसने 150 दिन पूरे कर लिए हैं। इस दौरान यूनिट ने लगातार विद्युत उत्पादन करते हुए अपनी विश्वसनीयता और संचालन क्षमता का प्रदर्शन किया। सतपुड़ा की यूनिट-11 पिछले पांच वर्षों से लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है।

## एशियन गेम्स में नीरू ढांडा का गोल्डन निशाना, भारत के लिए रचा इतिहास

### महिला ट्रैप व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं

भोपाल (आरएनएस)। एशियन गेम्स 2026 में मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की प्रतिभावान खिलाड़ी नीरू ढांडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स की महिला ट्रैप व्यक्तिगत स्पर्धा में नीरू ढांडा ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। फाइनल में उन्होंने 30 में से 28 सटीक निशाने साधते हुए न केवल स्वर्ण पदक जीता, बल्कि नया एशियन रिकॉर्ड भी कायम किया।

**28 सटीक निशानों के साथ एशियन रिकॉर्ड, नीरू ढांडा का ऐतिहासिक स्वर्ण**

नीरू धांडा ने फाइनल मुकाबले में शानदार एकाग्रता और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया। उनके 28 अंकों के प्रदर्शन ने इससे पहले के 24 अंकों के एशियन रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस स्वर्णिम प्रदर्शन के साथ नीरू एशियन गेम्स में महिला ट्रैप व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बन गईं।

नीरू की यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि इसी

दिन उन्होंने आशिमा अहलावत और मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की खिलाड़ी मनीषा कीर के साथ महिला ट्रैप टीम स्पर्धा में भारत को रजत पदक दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

**30 सितंबर को मिक्स्ड टीम स्पर्धा में नीरू का अगला मुकाबला**

एशियन गेम्स में नीरू ढांडा का शानदार सफर अभी जारी है। 30 सितंबर 2026 को नीरू ढांडा और क्यानन चेनाई की भारतीय जोड़ी ट्रैप मिक्स्ड टीम स्पर्धा में चुनौती पेश करेगी। स्पर्धा का क्वालिफिकेशन राउंड सुबह होगा, जबकि फाइनल दोपहर 2:30 बजे निर्धारित है।

व्यक्तिगत महिला ट्रैप में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक और टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने के बाद अब नीरू के पास मिक्स्ड टीम स्पर्धा में भी भारत के लिए एक और पदक जीतने का अवसर है। मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की नीरू ढांडा के अगले मुकाबले पर प्रदेश की खेल प्रेमियों की नजरें रहेंगी।

मध्यप्रदेश की खेल अकादमी से अंतर्राष्ट्रीय मंच तक

नीरू ढांडा का यह प्रदर्शन मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की उच्च स्तरीय प्रशिक्षण व्यवस्था और खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई जा रही आधुनिक खेल सुविधाओं की सफलता को भी दर्शाता है। भोपाल स्थित मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी ऑफ एक्सीलेंस में 10 मीटर एवं 25 मीटर पिस्टल/राइफल रेंज, 50 मीटर राइफल रेंज तथा शॉटगन के लिए ट्रैप और स्कीट रेंज जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में सेवा सेतु अभियान की गतिविधियों की समीक्षा की

## 2 से 10 अक्टूबर तक 'सेवा मेरा योगदान' अभियान, जनभागीदारी से सेवा का बनेगा जनआंदोलन

भोपाल (ए.)। गांधी जयंती से राष्ट्रसेवा और सामाजिक सहभागिता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश में 'सेवा मेरा योगदान' अभियान का आयोजन 2 से 10 अक्टूबर तक किया जाएगा। सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत आयोजित इस अभियान में समाज के प्रत्येक वर्ग को सेवा कार्यों से जोड़ते हुए स्वच्छता, स्वास्थ्य, वृद्धजनों एवं अनाथ बच्चों की सेवा, नेत्र परीक्षण, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, वृक्षारोपण, सैनिकों एवं उनके परिवारों का सम्मान तथा जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहायता जैसी नौ गतिविधियां प्रदेश में आयोजित की जाएंगी।अभियान का मूल उद्देश्य सेवा को केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए जनभागीदारी और सामाजिक जिम्मेदारी की स्थायी भावना में बदलना है। इसके लिए जिला, विकासखंड, नगरीय निकाय और ग्राम पंचायत स्तर तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, विभागीय अमले और स्थानीय नागरिकों की सहभागिता से सेवा कार्यों को व्यापक स्वरूप दिया जाएगा।

## पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में अब तक 64 हजार 644 उपभोक्ताओं के खातों में पहुंची 440 करोड़ से अधिक की सब्सिडी

### योजना में तीन किलोवॉट के सौर संयन्त्र लगाने पर मिल रही 78 हजार की सब्सिडी

भोपाल (आरएनएस)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अपने क्षेत्रान्तर्गत आने वाले भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अब तक कुल 64 हजार 644 उपभोक्ता पंजीकृत हुए हैं, जिन्हें 440 करोड़ 40 लाख से अधिक की राशि सब्सिडी के रूप में उनके खातों में जमा कराई जा चुकी है। कंपनी ने कहा है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन उपरांत विद्युत वितरण कंपनी में रजिस्टर्ड अधिकृत वेंडर से ही सौर ऊर्जा संयंत्र लगवाएं। लोगों को इस योजना का लाभ मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रदान किया जा रहा है। गौरतलब है कि इस योजना के तहत एक किलोवॉट सोलर संयन्त्र लगाने पर 30 हजार रूपये, दो किलो वाट सोलर संयन्त्र लगाने पर 60 हजार रुपए तथा तीन किलोवॉट या उससे अधिक के सोलर संयन्त्र स्थापना पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है।पीएम सूर्य घर योजना का शुभारंभ 13 फरवरी 2024 को हुआ था।

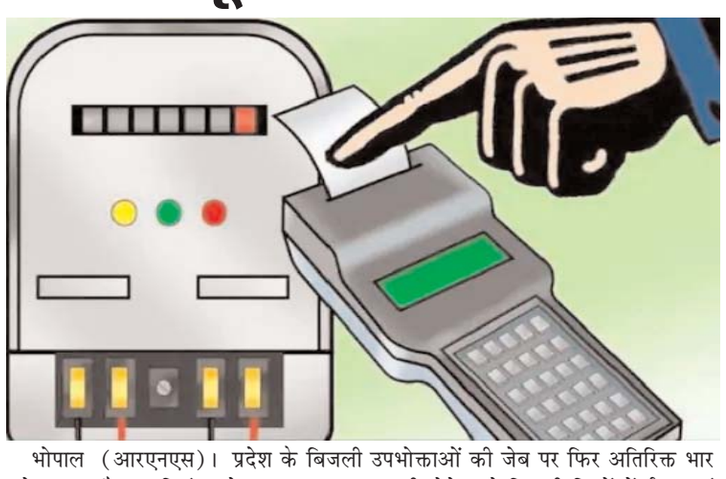

## बिजली बिल बढ़ेगा : नई दर 24 सितंबर से 23 अक्टूबर तक लागू... 100 यूनिट पर 2.46 रुपए और 500 पर 14.31 रुपए ज्यादा



भोपाल (आरएनएस)। प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं की जेब पर फिर अतिरिक्त भार पड़ने जा रहा है। 24 सितंबर से 23 अक्टूबर तक जारी होने वाले बिजली बिलों में ईंधन एवं बिजली खरीदी समायोजन सरचार्ज यानी एफपीपीएएस अब 5.063प्रतिशत की दर से जोड़ा जाएगा। अभी यह 4.59प्रतिशत था। यानी नई दर में 0.473 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी हुई है।यह राशि हर उपभोक्ता के बिल में लागू होगी, हालांकि वास्तविक असर खपत और ऊर्जा शुल्क के स्लैब पर निर्भर करेगा। इससे 100 यूनिट मासिक खपत करने वाले भोपाल के दो लाख उपभोक्ताओं को करीब 8 लाख रुपए अतिरिक्त देने होंगे।खरीदी समायोजन सरचार्ज बिजली के ऊर्जा शुल्क पर लगता है। उदाहरण के लिए 300 यूनिट की खपत पर यदि ऊर्जा शुल्क 1,576.50 रुपए है, तो 5.063प्रतिशत यह सरचार्ज करीब 79.82 रुपए होगा। 500 यूनिट पर ऊर्जा शुल्क 3,024.50 रुपए होने पर सरचार्ज करीब 153.23 रुपए होगा। यानी उपभोक्ता को पूरे बिल पर 5.063 प्रतिशत नहीं देना है।

### खपत जितनी ज्यादा, उतना ज्यादा भार

बिजली मामलों के जानकार एवं रिटायर्ड एडिशनल चीफ इंजीनियर राजेंद्र अग्रवाल बताते हैं कि पिछली 4.59प्रतिशत दर की तुलना में 300 यूनिट पर करीब 7.46 और 500 यूनिट पर करीब 14.31 रु की अतिरिक्त राशि बनेगी। 100 यूनिट पर यह करीब 2.46 और 200 यूनिट पर करीब 4.12 रु ज्यादा होगी। इसलिए 120 रु की अतिरिक्त राशि को केवल इस सरचार्ज की दर वृद्धि से जोड़ना सही नहीं होगा। वास्तविक बिल में फिक्स्ड चार्ज, बिजली शुल्क, मीटर शुल्क, सब्सिडी और अन्य मद शामिल होने से अंतिम रकम अलग हो सकती है।

स्लैब बदलने से बदलता है असर... उपभोक्ताओं के लिए ऊर्जा शुल्क अलग-अलग स्लैब में तय है। मौजूदा दरों में पहले 50 यूनिट पर 4.71, 51 से 150 यूनिट पर 5.67, 151 से 300 यूनिट पर 7.05 और 300 से ऊपर 7.24 प्रति यूनिट शुल्क है। इसलिए FPPAS का असर भी हर यूनिट पर एक जैसा नहीं बैठता। ऊर्जा शुल्क पर इसका प्रभाव करीब 24 से 37 पैसे प्रति यूनिट के बीच पड़ता है। बिजली बनाने और खरीदने की लागत हर महीने समान नहीं रहती। कोयला, ईंधन और पावर खरीद की कीमत में बदलाव होने पर उसकी भरपाई के लिए सरचार्ज लगता है। यानी यह स्थायी बढ़ोतरी नहीं, बल्कि बिजली खरीद लागत का मासिक समायोजन है। लागत बढ़ने पर सरचार्ज बढ़ और लागत घटने पर कम भी हो सकता है। अग्रवाल के मुताबिक, 5.063 प्रतिशत सरचार्ज पूरे बिजली बिल पर नहीं, केवल ऊर्जा शुल्क पर लगेगा। बिल में ऊर्जा शुल्क और सरचार्ज की राशि अलग-अलग दिखाई जाएगी, जिससे उपभोक्ता वास्तविक अतिरिक्त भार समझ सकेंगे। बाद में इसकी वास्तविक लागत का ट्रू-अप भी हो सकता है। यह सरचार्ज बिजली की मूल दर में स्थायी बढ़ोतरी नहीं है।

## जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी नागरिकों की समस्याएं

### 146 आवेदनों पर त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

भोपाल (आरएनएस)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से संबंधित 146 आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने प्रत्येक आवेदक से धैर्यपूर्वक चर्चा करते हुए उनकी समस्याओं को सुना तथा अनेक प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण कराया। उन्होंने शेष आवेदनों के शीघ्र एवं नियमानुसार निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही की जाए और प्रत्येक प्रकरण का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को आवेदकों की समस्याओं पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। जनसुनवाई के दौरान एडीएम सुमित पांडे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

## प्रदेश की हर विधानसभा में विकसित होंगे सर्वसुविधायुक्त सीएम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स : मंत्री श्री सारंग

### खेल सुविधाओं के साथ फिटनेस सेंटर, चेंजिंग रूम, उपकरण कक्ष और दिव्यांगजनों के लिए भी विशेष सुविधाएं होंगी



भोपाल (आरएनएस)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंत्रालय स्थित समिति कक्ष में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर प्रदेश में निर्माणाधीन सीएम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विकसित किए जा रहे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण, उपलब्ध कराई जाने वाली खेल सुविधाओं तथा अन्य आवश्यक अधोसंरचना को लेकर तैयारी का जायजा लिया ।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रदेश में खेल अधोसंरचना को व्यापक स्तर पर मजबूत किया जा रहा है। सीएम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की अवधारणा का उद्देश्य प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के युवाओं और खिलाड़ियों को उनके अपने क्षेत्र में आधुनिक एवं बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभा निखारने के लिए स्थानीय स्तर पर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

**एक ही परिसर में अनेक खेलों की सुविधा**

सीएम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में विभिन्न खेलों के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। परिसर में बैडमिंटन, एथलेटिक्स ट्रैक, मार्शल आर्ट, टेबल टेनिस, खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल और फुटबॉल जैसे खेलों के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इन सुविधाओं के माध्यम से बच्चों, युवाओं और स्थानीय खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास एवं प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा। साथ ही स्थानीय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन को भी बढ़ावा मिलेगा।

**फिटनेस सेंटर से लेकर उपकरण कक्ष तक**

सीएम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में केवल खेल मैदान ही नहीं, बल्कि खिलाड़ियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सहायक सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं। परिसर में फिटनेस सेंटर, एडमिन ब्लॉक, उपकरण कक्ष, चेंजिंग रूम, इलेक्ट्रिकल रूम और फायर सेफ्टी सिस्टम जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। इन सुविधाओं का उद्देश्य खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के दौरान आवश्यक सभी मूलभूत सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध कराना है।

**स्थानीय प्रतिभाओं को मिलेगा आगे बढ़ने का अवसर**

मंत्री श्री सारंग ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण में गुणवत्ता, उपयोगिता और खिलाड़ियों की आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि खेल अधोसंरचना का विकास केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इन परिसरों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक बच्चों और युवाओं को खेलों से जोड़ना प्राथमिकता होनी चाहिए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता है कि उन्हें बेहतर मैदान, प्रशिक्षण, उपकरण और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए। विधानसभा स्तर पर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विकसित होने से स्थानीय प्रतिभाओं को शुरुआती स्तर से ही बेहतर वातावरण मिलेगा और उन्हें जिला, संभाग, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे।

# जबलपुर में बढ़ते अपराध के खिलाफ युवक कांग्रेस का प्रदर्शन, एसपी ऑफिस घेरने पहुंचे कार्यकर्ता

जबलपुर, (आरएनएस.)। मध्य प्रदेश के जबलपुर शहर में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के विरोध में मंगलवार को युवक कांग्रेस ने मंगलवार को एसपी कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता घमापुर से रैली निकालते हुए एसपी ऑफिस पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और कार्यालय में प्रवेश करने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया, जिसके बाद भीड़ को तितर-बितर किया गया। पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में भी लिया।प्रदर्शन के दौरान युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर में हत्या, लूट, चाकूबाजी और नशे के बढ़ते कारोबार को लेकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। संगठन ने फरार आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, संवेदनशील इलाकों में पुलिस गश्त बढ़ाने और आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण की मांग की। प्रदर्शन को देखते हुए एसपी कार्यालय और आसपास के क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था

यश घनघोरिया ने आरोप लगाया कि जबलपुर में हत्या और लूट जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, लेकिन पुलिस अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रही है। उन्होंने अवैध शराब, जुआ-सट्टा और नशीले पदार्थों के कारोबार को लेकर भी पुलिस प्रशासन पर सवाल उठाए।घनघोरिया का आरोप है कि आम लोग शिकायत लेकर थानों में पहुंचते हैं, लेकिन कई मामलों में उनकी सुनवाई नहीं होती और आवेदन लेकर उन्हें भटकाया जाता है। उन्होंने पुलिस और अपराधियों के बीच कथित सांठगांठ का आरोप लगाते हुए इसकी जांच और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि यदि शहर की कानून-व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो संगठन आगे और बड़ा आंदोलन करेगा। उन्होंने कहा कि अपराधियों से कथित सांठगांठ करने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी युवक कांग्रेस आवाज उठाएगी।युवा कांग्रेस ने जबलपुर में हाल के महीनों में सामने आई हत्या, बैंक डकैती, चाकूबाजी और रेस्टोरेंट में युवती की हत्या जैसी घटनाओं का हवाला देते हुए कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। संगठन का कहना है कि लगातार हो रही वारदातों से शहरवासियों में असुरक्षा की स्थिति बन रही है। युवक कांग्रेस ने संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाने और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की

## बीना-अगासौद यार्ड रीमॉडलिंग से रेल यातायात प्रभावित, मुड़वारा में उमड़ा यात्रियों का हुजूम

कटनी,(आरएनएस.)। पश्चिम मध्य रेलवे और उत्तर मध्य रेलवे के अंतर्गत बीना और अगासौद रेलवे स्टेशनों पर तीसरी रेल लाइन को जोड़ने तथा रेलवे के बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए यार्ड रीमॉडलिंग का काम चल रहा है। निर्माण कार्य के चलते रेल परिचालन प्रभावित हुआ है। कई प्रमुख ट्रेनों को रद्द किया गया है, जबकि कुछ ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया गया है और कई गाड़ियों को रीशेड्यूल कर चलाया जा रहा है। ट्रेनों के निरस्तीकरण और समय में अचानक हुए बदलाव का असर कटनी मुड़वारा रेलवे स्टेशन पर भी दिखाई दे रहा है। बड़ी संख्या में यात्री स्टेशन पर पहुंच रहे हैं। दैनिक यात्रियों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों से आने-जाने वाले लोगों की परेशानी मेमू ट्रेनों के रद्द होने से और बढ़ गई है। इसके चलते स्टेशन के प्लेटफॉर्मों पर यात्रियों की संख्या क्षमता से अधिक पहुंच गई और पूरे स्टेशन परिसर में भीड़ की स्थिति बनी रही। ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर पहुंचते ही उसमें सवार होने के लिए यात्रियों के बीच धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी की स्थिति दिखाई दी।

## चित्रकूटः गुप्त गोदावरी गुफा चार दिन से बंद, जांच टीम का अब भी इंतजार

चित्रकूट (आरएनएस.)। मध्य प्रदेश के सतना जिले के चित्रकूट स्थित प्रसिद्ध गुप्त गोदावरी गुफा मंदिर में पहाड़ी से पत्थर गिरने की घटना के चार दिन बाद भी श्रद्धालुओं के लिए प्रवेश बंद है। लगातार बारिश के दौरान गुफा के भीतर पानी के रिसाव के बीच पहाड़ी का हिस्सा टूटकर गिरने की घटना सामने आई थी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने गुफा को बंद कर दिया था। मंदिर बंद रहने से यहां आने वाले श्रद्धालुओं के साथ आसपास कारोबार करने वाले दुकानदारों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।जानकारी के लिए बता दें कि घटना गुप्त गोदावरी मंदिर की पहली गुफा में हुई थी। लगातार बारिश के कारण पहाड़ी से पानी रिसकर गुफा के भीतर पहुंच रहा था। इसी दौरान पहाड़ी का एक हिस्सा टूटकर नीचे आ गिरा। शुरुआत में मंदिर के पास तीन बड़े पत्थर गिरने की जानकारी सामने आई थी। इसके बाद गुफा के अंदर खटखटा क्षेत्र में सीढ़ियों के पास करीब 40 किलो वजन का एक पत्थर गिरा।पत्थर गिरने की घटना के बाद गुफा के भीतर राम दरबार के नीचे मौजूद पत्थर में भी गैप दिखाई दिया। स्थिति को देखते हुए मझगवां के एसडीएम ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर गुफा को बंद रखने के निर्देश दिए। इसके बाद से श्रद्धालुओं का प्रवेश रोक दिया गया है।प्रशासन के अनुसार, गुफा को तभी खोला जाएगा, जब विशेषज्ञों और संबंधित अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंचकर पूरे क्षेत्र का निरीक्षण कर लेगी। जांच के बाद गुफा की सुरक्षा स्थिति का आकलन किया जाएगा। इसके आधार पर ही श्रद्धालुओं के लिए गुफा खोलने को लेकर निर्णय लिया जाएगा, लेकिन गुफा मंदिर बंद हुए चार दिन हो चुके हैं, लेकिन अभी तक जांच टीम के मौके पर पहुंचने की तारीख स्पष्ट नहीं हुई है। प्रशासन की ओर से जांच टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किए जाने की बात कही गई थी। ऐसे में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के बीच यह सवाल बना हुआ है कि जांच टीम कब पहुंचेगी और गुफा को दोबारा कब खोला जाएगा। गुप्त गोदावरी चित्रकूट के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों में शामिल है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। मंदिर में प्रवेश बंद होने से आसपास की दुकानों और अन्य कारोबार पर भी इसका असर पड़ रहा है। फिलहाल प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए गुफा को बंद रखा है। विशेषज्ञों और संबंधित अधिकारियों की जांच के बाद ही गुफा की सुरक्षा स्थिति स्पष्ट होगी। इसके बाद तय होगा कि श्रद्धालुओं के लिए प्रवेश कब शुरू किया जा सकता है।

## छुहिया घाटी में ओडिशा पुलिस टीम पर हमला, फायरिंग कर आरोपित को छुड़ा ले गए बदमाश

रीवा, (आरएनएस.)। मध्य प्रदेश के रीवा जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर रीवा-सीधी सीमा पर स्थित छुहिया घाटी में मंगलवार दोपहर ओडिशा पुलिस की टीम पर हमले का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, एनडीपीएस मामले में गिरफ्तार एक आरोपित को न्यायालय में पेशी के लिए ले जा रही टीम को चार वाहनों में सवार लोगों ने घेर लिया। कथित रूप से फायरिंग और मारपीट के बाद हमलावर पुलिस के कब्जे से आरोपी को छुड़ाकर अपने साथ ले गए।घटना दोपहर करीब एक बजे की बताई जा रही है। वारदात की सूचना मिलते ही सीधी पुलिस ने आसपास के थानों को अलर्ट किया और क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू कर दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ओडिशा पुलिस एनडीपीएस मामले में गिरफ्तार आरोपित आदित्य मिश्रा को ओडिशा से रीवा जिला न्यायालय में पेशी के लिए लेकर आ रही थी।

## चैत्र नवरात्र में होगा समरसता गरबा महोत्सव

जबलपुर (आरएनएस.)। जगत जननी जगदंबा मां भगवती की आराधना को समर्पित समरसता गरबा महोत्सव का आयोजन शारदेय नवरात्र की बजाय अब चैत्र नवरात्र में होगा। इस आशय का निर्णय सर्वजाति समाजों की मातृशक्ति के सुझावों के तहत लिया गया। वहीं समरतसता सेवा संगठन द्वारा आयोजित

किए गए समरसता कजलियां महोत्सव में हुई विविध सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण आगामी 04 अक्टूबर को तथा प्रकृति सेवा के तहत विगत तीन वर्षों से जारी पौधारोपण अभियान के तहत इस बार एक हजार औषधीय पौधे का रोपण करने का निर्णय भी लिया गया है। इस आशय की विस्तृत जानकारी जानकारी समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष पवन पांडे, सचिव मनोज सेठ ने गोपाल सदन में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।पत्रकार वार्ता में बताया गया कि चूंकि गरबा मां की आराधना से जुड़ा साधनात्मक सांरकृतिक आयोजन है. और समरसता सेवा संगठन पारंपरिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध है। इस कारण सभी मातृशक्तियों ने माना कि एकाग्र आराधना चौत्र नवरात्र में ही संभव होगी। अभी भक्त भी उत्सवी माहौल में रहते हैं। माताओं-बहनों ने इस बात पर खुशी जाहिर की, कि समरसता सेवा संगठन गरबा को आधुनिक और व्यवसायिक रूप से निकाल कर उसे भक्तिमयी धार्मिक पारंपरिक स्वरूप देना चाहता है, अत्तरू इसका आयोजन चौत्र नवरात्र में ही सही रहेगा। विगत दिनों में आयोजित समरसता कजलिया महोत्सव के अंतर्गत हुईं निबंध, थाली सजाओ और सांस्कृ तिक वेशभूषा प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 4 अक्टूबर रविवार को जानकीरमण कॉलेज आगा चौक में शाम 4रू00 बजे से आयोजित किया जाएगा।

# व्यापार समाचार

## अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा स्टील प्लांट बनाएगा भारतीय कंपनी समूह

वॉशिंगटन (आरएनएस)। भारत में जन्मे रेवंत रुइया के परिवार ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्हाइट हाउस में आयोवा में एक नए स्टील प्लांट की योजना की घोषणा की है। रुइया ने अमेरिका में स्टील के क्षेत्र में प्रस्तावित निवेश को 'घर वापसी' जैसा बताया।

रुइया ने व्हाइट हाउस में हुए एक कार्यक्रम में कहा, हालांकि मेरा जन्म भारत में हुआ था, लेकिन मैंने न्यूयॉर्क में हाईस्कूल और बोस्टन में कॉलेज की पढ़ाई की और कैलिफोर्निया से एमबीए किया। मैंने अपनी जिंदगी का आधा हिस्सा यहीं बिताया है, इसलिए आज इस निवेश की घोषणा करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है और यह मेरे लिए सचमुच घर वापसी जैसा है।

परिवार की योजना मिनेसोटा में मौजूद एक आयरन ओर (लौह अयस्क) खदान को दक्षिण-पूर्वी आयोवा में बनने वाले प्रस्तावित स्टील कॉम्प्लेक्स से जोड़ने की है। जब ट्रंप ने एस्सार ग्रुप के फाउंडर रवि रुइया से कुल लागत के बारे में पूछा, तो उन्होंने निवेश की रकम लगभग 18 अरब डॉलर बताई।

कार्यक्रम के दौरान बताए गए अन्य आंकड़े अलग-अलग थे। कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लटनिक ने 2.5 अरब डॉलर की खदान और 15 अरब डॉलर के स्टील प्लांट का जिक्र किया, जो कुल मिलाकर 17.5 अरब डॉलर होता है। रेवंत रुइया ने कहा कि परिवार खदान में 3 अरब डॉलर का निवेश कर रहा है। किसी ने भी इन अनुमानों में अंतर की वजह नहीं बताई।

ट्रंप ने कहा कि आयोवा प्लांट में मिनेसोटा से मिलने वाले अयस्क का इस्तेमाल करके हर साल 1 करोड़ टन स्टील का उत्पादन किया

जाएगा। उन्होंने अनुमान लगाया कि इससे निर्माण कार्य में 6,000 तक और मैन्युफैक्चरिंग व माइनिंग में लगभग 2,000 नौकरियां पैदा होंगी। ये अनुमान उस प्रोजेक्ट के लिए हैं जिसमें स्टील का उत्पादन अभी शुरू होना बाकी है।

रुइया परिवार के लिए इस घोषणा ने भारत और विदेशों में खड़े किए गए उनके पारिवारिक कारोबार को ट्रंप की उस मुहिम के केंद्र में ला दिया है, जिसका मकसद अमेरिका में स्टील का उत्पादन बढ़ाना है। रवि रुइया ने कहा कि उन्होंने और उनके भाई शशि ने दशकों पहले एस्सार की शुरुआत की थी और स्टील प्लांट, रिफाइनरी, पोर्ट और बिजली संयंत्र बनाए थे।

रवि रुइया ने कहा, अब हमने अमेरिका में अपने कारोबार का अगला बड़ा अध्याय शुरू करने का फैसला किया है।

उन्होंने आयोवा प्लांट को एक प्रस्तावित प्रोजेक्ट बताया और कहा कि अमेरिकी स्टील इंडस्ट्री के साथ काम करते समय कंपनी अपने अनुभव का लाभ उठाएगी।

रेवंत रुइया ने कहा कि मिनेसोटा की खदान से आयोवा प्लांट को सप्लाई की जाएगी, जिसमें यूएस रेलवे और एनर्जी सेक्टर भी इस चेन का हिस्सा होंगे। उन्होंने कहा, यह प्रोजेक्ट हमारी कंपनी और हमारे परिवार के लिए एक नया अध्याय शुरू करेगा।

इस घोषणा के बाद लोगों के समर्थन का सवाल उठा। जब उनसे पूछा गया कि क्या इसमें सरकारी पैसा लगा है और क्या यह प्लान आयोवा में टैक्स में छूट पर निर्भर है, तो लटनिक ने कहा कि एक्सपोर्ट-इंपोर्ट बैंक ने खदान के लिए फाइनेंसिंग में मदद की है। उन्होंने कहा कि स्टील प्लांट प्राइवेट पैसे से बनाया जाएगा और बताया कि समझौता पूरा हो चुका है। ट्रांसक्रिप्ट में मिल के लिए फाइनेंसिंग की शर्तें या कंस्ट्रक्शन का शेड्यूल नहीं बताया गया।

आयोवा की गवर्नर किम रेनॉल्ड्स ने कहा कि बातचीत मुश्किल रही, लेकिन उन्होंने नौकरियों और लोकल सप्लायर्स के लिए इस प्रोजेक्ट का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि राज्य चाहता है कि आयोवा के बिजनेस को मेसाबी मेटालिक्स के साथ काम करने का मौका मिले। यह वही कंपनी है, जिसका नाम ट्रंप ने प्लांट की घोषणा करते समय लिया था।

## सीबीडीटी ने टैक्स ऑडिट रिपोर्ट की समयसीमा बढ़ाकर 21 अक्टूबर की, करदाता 21 नवंबर तक भर सकेंगे आईटीआर

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने सोमवार को उन करदाताओं को बड़ी राहत दी है, जिनके खातों का ऑडिट आयकर अधिनियम, 1961 के तहत अनिवार्य है। बोर्ड ने आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 21 नवंबर 2026 कर दी है।

सीबीडीटी द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, इस फैसले के साथ टैक्स ऑडिट रिपोर्ट जमा करने की निर्धारित तिथि भी 30 सितंबर से बढ़ाकर 21 अक्टूबर 2026 कर दी गई है। इस संबंध में औपचारिक अधिसूचना अलग से जारी की जाएगी।

पिछले कुछ सप्ताहों से चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संगठनों और कर विशेषज्ञों द्वारा समयसीमा बढ़ाने की मांग की जा रही थी। उनका कहना था कि ऑडिट प्रक्रियाओं को पूरा करने, विभिन्न वित्तीय और कर रिकॉर्ड्स का मिलान करने तथा आवश्यक खुलासों (डिस्क्लोजर) का सत्यापन करने के लिए अधिक समय की आवश्यकता है।

सीबीडीटी का मानना है कि समयसीमा बढ़ाने से करदाताओं और ऑडिटरों को ऑडिट प्रक्रिया पूरी करने तथा आयकर ई-फाइलिंग पोर्टल पर आवश्यक रिपोर्ट और रिटर्न दाखिल करने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। इससे अनुपालन को आसान बनाने और कारोबार सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

इस बीच, प्रत्यक्ष कर संग्रह (डारेक्ट टैक्स कलेक्शन) के मोर्चे पर सरकार को मजबूत वृद्धि मिली है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में 1 अप्रैल से 17 सितंबर के बीच शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 13 प्रतिशत बढ़कर 12.12 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया।

## FB-WHATSAPP छोड़ SNAPCHAT के दीवाने क्यों हुए युवा? ये 5 धांसू फीचर्स खींच रहे GEN Z का ध्यान

नई दिल्ली (आरएनएस),। सोशल मीडिया की दुनिया में पीढ़ियों के बदलने के साथ ही पसंद और ट्रेंड्स भी पूरी तरह बदल चुके हैं। जहां मिलेनियल्स और उनसे पहले की पीढ़ी के लिए फेसबुक और

ट्विटर (X) बातचीत और खबरों का मुख्य अड्डा हुआ करते थे, वहीं आज की नई पीढ़ी यानी Gen इनसे दूरी बनाकर नए दौर के प्लेटफॉर्म्स को प्राथमिकता दे रही है। 'डेटा रिपोर्टल' (DataReportal) की 'डिजिटल 2026: इंडिया' रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में स्नैपचैट की लोकप्रियता रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है और करीब 21.3 करोड़ (213 मिलियन) एक्टिव यूजर्स इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं, इंस्टाग्राम 48.1 करोड़ यूजर्स के साथ सबसे आगे बना हुआ है।

**रिश्तेदारों और फैमिली ग्रुप्स की 'निगरानी' से आजादी**

जेन जी के बीच स्नैपचैट के सबसे लोकप्रिय होने की सबसे बड़ी वजह इसका बेबाक और अनफिल्टर्ड माहौल है। व्हाट्सएप पर रिश्तेदारों के 'गुड मॉर्निंग' संदेशों, पारिवारिक ग्रुप्स और माता-पिता की लगातार निगरानी रहती है, जबकि फेसबुक पर भी दूर-दराज के रिश्तेदारों का नेटवर्क जुड़ा होता है। युवा पीढ़ी इस सोशल दबाव से बचकर एक ऐसा स्पेस चाहती थी जहां वे बिना किसी झिझक के अपनी बात कह सकें। स्नैपचैट उन्हें वही आजादी देता है, जहां परिवार के पहरे के बिना सिर्फ करीबी दोस्तों के साथ खुलकर मस्ती की जा सकती है। स्नैपचैट का एल्गोरिदम और डिजाइन युवाओं के मिजाज को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

## भारत में लॉन्च हुआ SUZUKI HAYABUSA का स्पेशल एडिशन, इतने रुपये है कीमत

नई दिल्ली (आरएनएस)। स्पोर्ट्स बाइक के शौकीनों और युवाओं के बीच रफ्तार की असली पहचान मानी जाने वाली सुजुकी हायाबुसा अब भारतीय बाजार में नए और ज्यादा स्पोर्टी अवतार में पेश हो गई है। सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने अपनी फ्लैगशिप सुपरबाइक हायाबुसा का 2026 स्पेशल एडिशन औपचारिक रूप से लॉन्च कर दिया है। इसके साथ ही कंपनी ने स्टैंडर्ड मॉडल को भी नए इलेक्ट्रॉनिक अपग्रेड्स और फ्रेश लुक के साथ अपडेट किया है, जिससे रफ्तार के दीवानों को सड़क पर पहले से कहीं अधिक रोमांचक अनुभव मिलेगा।सुजुकी ने 2026 अपडेटेड स्टैंडर्ड हायाबुसा की नई दिल्ली में एक्स-शोरूम कीमत 18.99 लाख तय की है, जबकि इसके स्पेशल एडिशन की एक्स-शोरूम कीमत ?19.90 लाख रखी गई है। स्पेशल एडिशन अपने स्टैंडर्ड मॉडल के मुकाबले करीब 91 हजार रुपये महंगा है। कंपनी ने दोनों ही मॉडल्स को देश भर में मौजूद सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया की प्रीमियम डीलरशिप्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध करा दिया है।हायाबुसा स्पेशल एडिशन को आम मॉडल से अलग दिखाने के लिए खास पर्ल विगोर ब्लू कलर स्कीम में उतारा गया है। इस एडिशन में खास प्रीमियम डीकैल और अलग फिनिश वाले अलॉय व्हील्स दिए गए हैं, जो इसे बेहद आक्रामक और प्रीमियम लुक देते हैं। वहीं दूसरी तरफ स्टैंडर्ड मॉडल को भी तीन नए आकर्षक कलर कॉम्बिनेशन में पेश किया गया है, ताकि खरीदारों को अपनी पसंद के अनुसार ज्यादा विकल्प मिल सकें।

कंपनी ने 2026 मॉडल में सिर्फ कॉस्मेटिक बदलाव ही नहीं किए हैं, बल्कि तकनीकी मोर्चे पर भी बाइक को काफी मजबूत बनाया है। पुरानी भारी लेड-एसिड बैटरी की जगह अब इसमें नई कॉम्पैक्ट और बेहद हल्की लिथियम-आयन बैटरी दी गई है, जो इंजन पर दबाव के समय भी स्थिर वोल्टेज सप्लाई करती है। इसके अलावा बाइक के स्मार्ट क्रूज कंट्रोल सिस्टम को भी अपग्रेड किया गया है, जिसकी खासियत यह है कि राइडर द्वारा गियर बदलने के दौरान भी यह बंद नहीं होता और लगातार एक्टिव रहता है। साथ ही इसके लॉन्च कंट्रोल सिस्टम और पावर मोड सेलेक्टर की ट्यूनिंग को भी पहले से बेहतर बनाया गया है।

## टाटा ट्रस्ट्स की बड़ी पहल, टाटा संस को लिस्टिंग से बचाने के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और टीसीई के विलय का रखा प्रस्ताव

मुंबई( आरएनएस)। टाटा ट्रस्ट्स, जिसके पास टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड (टीएसपीएल) में लगभग 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है, ने कंपनी के रणनीतिक पुनर्गठन का प्रस्ताव रखा है। इस योजना के तहत टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (टीईएसएस) और टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स (टीसीई) का टाटा संस में विलय किया जाएगा, जिसका उद्देश्य टाटा संस को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) और कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) संबंधी नियामकीय ढांचे से बाहर लाना है, जिसके तहत कंपनी के लिए सूचीबद्ध (लिस्टेड) होना आवश्यक हो सकता है।

टाटा ट्रस्ट्स ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि यह कोई नया मॉडल नहीं है। टाटा संस अपने लगभग 100 वर्षों के इतिहास में करीब 80 वर्षों तक एक ऐसी कंपनी रही है, जिसके पास स्वयं के परिचालन व्यवसाय और परिचालन आय थी। इन्हीं आय स्रोतों के माध्यम से कंपनी अपने नए और उभरते कारोबारों को वित्तपोषित करती रही है।

बयान में कहा गया है कि वर्ष 2004 तक टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) भी टाटा संस का एक व्यवसायिक डिवीजन थी, जिसे बाद में अलग कर स्वतंत्र सहायक कंपनी बनाया गया। इसी तरह समूह के अन्य कई परिचालन कारोबार भी पहले टाटा संस का हिस्सा रहे हैं। प्रस्तावित पुनर्गठन के बाद टाटा संस फिर से अपने पुराने परिचालन मॉडल में लौट आएगी, जहां वह होल्डिंग कंपनी होने के साथ-साथ स्वयं का परिचालन व्यवसाय और राजस्व भी रखेगी।

टाटा ट्रस्ट्स का दावा है कि टीईएसएस और टीसीई के विलय के बाद 31 मार्च 2026 की स्थिति के आधार पर संयुक्त इकाई का परिचालन राजस्व 1,05,043 करोड़ रुपए होगा, जो वित्तीय परिसंपत्तियों से होने वाली आय 40,072 करोड़ रुपए से काफी अधिक है। कुल आय में परिचालन आय की हिस्सेदारी 64.3 प्रतिशत होगी। ऐसे में कंपनी एनबीएफसी के लिए निर्धारित 'प्रिंसिपल बिजनेस क्राइटेरिया' को पूरा नहीं करेगी।

# सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

## एआई से मानव का सर्वनाश

एंथ्रोपिक के वर्तमान कर्मचारी इवान हुबिंगर ने यह कह कर सनसनी फैला दी है कि उन्हें यह संभावना 10 प्रतिशत से अधिक लगती है कि अगले दशक में एआई से मानव का सर्वनाश हो सकता है।

अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनियों से हाल में हुए इस्तीफों ने मानव समुदाय के सामने मौजूद एक गहरे संकट पर रोशनी डाली है। एआई की दो बड़ी कंपनियों- ओपन एआई और एंथ्रोपिक में काम करने के बाद 27 वर्षीय रिसर्चर जैकब कॉक्सन ने एंथ्रोपिक से यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि ये कंपनियां एआई मॉडल्स को उस अवस्था में पहुंचाने पर आमादा हैं, जब वो मानव नियंत्रण से बाहर हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि सुपरइंटेलिजेंस की ओर यह दौड़ किसी एक कंपनी की घटना नहीं, बल्कि पूरे एआई उद्योग की नैतिक विफलता का प्रतीक बन गया है। कॉक्सन के बयान के बाद एआई उद्योग में काम कर चुके कई अन्य विशेषज्ञ भी सामने आए। उन्होंने बताया कि ऐसी ही चिंताओं के कारण उन्होंने भी नौकरी छोड़ी।

एंथ्रोपिक के वर्तमान कर्मचारी इवान हुबिंगर ने यह कहकर सनसनी फैला दी है कि उन्हें यह संभावना 10 प्रतिशत से अधिक लगती है कि अगले दशक में एआई से मानव का सर्वनाश हो सकता है। इन बयानों से सवाल उठा है कि जब एआई विकसित करने में जुटे विशेषज्ञ मानते हैं कि उनका उत्पाद मानवता के लिए घातक हो सकता है, तो कंपनियां इसे क्यों विकसित कर रही हैं? एंथ्रोपिक के शोधकर्ता सैमुअल मार्क्स ने कहा है कि इसके पीछे कारण अरबों डॉलर के निवेश से पैदा दबाव और यह भय है कि कहीं कोई दूसरी कंपनी आगे ना निकल जाए। यह अच्छी बात है कि इस चर्चा से अमेरिकी राजनेताओं का एक हिस्सा चिंतित हुआ है।

एआई के संचालन को विनियमित करने के लिए विधेयक लाने का इरादा उन्होंने जताया है। हालांकि डॉनल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति रहते ऐसे किसी प्रयास का सफल होना आसान नहीं है, फिर भी उभरी सार्वजनिक चिंता आशाजनक संकेत है। इस सिलसिले में चीन में हुई पहल पर भी गौर करना चाहिए, जहां बीते जुलाई में वर्ल्ड एआई सम्मेलन के दौरान एआई के वैश्विक संचालन संबंधी कुछ महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए। अब ऐसी तमाम कोशिशों के बीच तालमेल बनाना जरूरी हो गया है। तभी नई तकनीक को मानव विवेक के अधीन रखने की कारगर व्यवस्था अस्तित्व में आ सकेगी।

## औद्योगिक निवेश की दिशा में हब के रूप स्थापित हो रहा छत्तीसगढ़

ताराशंकर सिन्हा

छत्तीसगढ़ सरकार की औद्योगिक विकास नीति 2024-30 राज्य को देश के प्रमुख औद्योगिक एवं निवेश केंद्रों में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में तथा वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवागंन के मार्गदर्शन में लागू हुई। 01 नवंबर 2024 से 31 मार्च 2030 तक प्रभावी यह नीति उद्योगों को आकर्षक प्रोत्साहन देने के साथ-साथ स्थानीय रोजगार, एमएसएमई विकास, नवाचार और क्षेत्रीय औद्योगिक संतुलन पर विशेष जोर देती है। उक्त नीति 'अमृतकाल: छत्तीसगढ़ विजन-2047' पर केन्द्रित है जिसके तहत मौजूदा उद्योगों के विस्तार, विविधीकरण, आधुनिकीकरण और प्रतिस्थापन के लिए खास तौर पर प्रावधान किया गया है। इसके अलावा नए एवं उभरते हुए क्षेत्रों में फोकस किया गया है।

निवेशकों के लिए आकर्षक प्रोत्साहन

नवीन औद्योगिक विकास नीति के तहत पात्र उद्योगों को कैपिटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी, ब्याज अनुदान, नेट एसजीएसटी प्रतिपूर्ति, बिजली शुल्क में छूट, स्टाम्प ड्यूटी में छूट, तकनीकी एवं पेटेंट सहायता तथा रोजगार आधारित प्रोत्साहन जैसे अनेक लाभ दिए जा रहे हैं। पात्रता के अनुसार स्टाम्प ड्यूटी में 100 प्रतिशत तक की छूट, कैपिटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी 50 प्रतिशत तक तथा ईपीएफ प्रतिपूर्ति 75 प्रतिशत तक का प्रावधान है।

नए क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहन

नीति का दायरा पारंपरिक खनिज आधारित उद्योगों तक सीमित नहीं है। कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल एवं इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, एआई एवं रोबोटिक्स, रक्षा, एयरोस्पेस एवं स्पेस टेक्नोलॉजी, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन जैसे उभरते क्षेत्रों को भी विशेष प्रोत्साहन दिया गया है।एमएसएमई व स्थानीय उद्यमिता के साथ रोजगार और कौशल विकास पर जोरनीति में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को विशेष सहायता का प्रावधान है। विकासखंडों को विभिन्न समूहों में वर्गीकृत कर पिछड़े एवं अपेक्षाकृत कम विकसित क्षेत्रों में निवेश को अतिरिक्त प्रोत्साहन दिया गया है।

# डिजिटल इंडिया के दरवाजे पर रिश्वत की पुरानी दस्तक

## [ मृत्यु प्रमाणपत्र से मालिकाना हक तक — बीच में कितनी 'व्यवस्था'? ]

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

कागज कंप्यूटर में पहुंच गया, व्यवस्था वहीं की वहीं है। जिस देश में सरकार मोबाइल पर सेवाएं देने का दावा करती है, वहां मृत परिजन की संपत्ति अपने नाम कराने के दौरान 58 प्रतिशत परिवारों को रिश्वत देनी पड़ी; इनमें 73 प्रतिशत ने प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन/भूमि कार्यालय को इसका प्रमुख केंद्र बताया। सवाल इसलिए केवल भ्रष्टाचार का नहीं, डिजिटल शासन की विश्वसनीयता का है। लोकलसर्किल्स का ताजा सर्वेक्षण डिजिटल इंडिया की चमक के पीछे की दरार दिखाता है। चार साल पहले रिश्वत देने वाले परिवारों का आंकड़ा 52 प्रतिशत था। यानी कंप्यूटर, पोर्टल और ऑनलाइन रिकॉर्ड आए, पर रिश्वत घटने के बजाय बढ़ी। डिजिटल सुधार की असली कसौटी स्क्रीन पर दिखता रिकॉर्ड नहीं, नागरिक का बिना घूस अपना अधिकार हासिल करना है।

विडंबना यही है कि सरकार ने कागजों को डिजिटल कर दिया, प्रक्रिया को नहीं। रिकॉर्ड ऑफ राइट्स का कंप्यूटरीकरण लगभग पूरा है, सब-रजिस्ट्रार कार्यालय ऑनलाइन हो रहे हैं और भू-आधार जैसी योजनाओं से भूमि रिकॉर्ड आधुनिक बनाने की कोशिश जारी है। दिल्ली जैसे शहरों में एआई आधारित सत्यापन और ब्लॉकचेन तक की चर्चा है। फिर भी जमीन पर संपत्ति ट्रांसफर के लिए व्यक्तिगत उपस्थिति, भौतिक दस्तावेज, अंगूठे के निशान और अधिकारी की मंजूरी जैसी बाधाएं कायम हैं। तकनीक ने फाइल को स्क्रीन तक पहुंचा दिया, लेकिन उसे रोकने की ताकत अब भी उसी मेज पर है। डिजिटल व्यवस्था ने सुविधा

का आवरण जरूर बदला है, मगर पुराने विवेकाधिकार को खत्म नहीं किया।मृत्यु के बाद संपत्ति अपने नाम कराने की प्रक्रिया परिवार के दुख को प्रशासनिक यातना में बदल देती है। एक ओर अपने व्यक्ति को खोने का आघात, दूसरी ओर प्रमाणपत्र, दस्तावेज, आपत्तियां और दफ्तरों के चक्कर। ऐसे में 卐काम जल्दी चाहिए तो कुछ व्यवस्था करनी होगी卐 जैसा संकेत भी परिवार को समझौते पर मजबूर करता है। सर्वेक्षण में केवल 32 प्रतिशत परिवारों ने बिना बड़ी परेशानी के प्रक्रिया पूरी की; 58 प्रतिशत को कहीं न कहीं रिश्वत देनी पड़ी, जबकि कुछ ने प्रक्रिया शुरू ही नहीं की या वह लंबी खिंचती रही। यह देरी सिर्फ फाइल की नहीं, परिवार की आर्थिक सुरक्षा की भी है। बैंकों में करीब 78 हजार करोड़ और बीमा कंपनियों में लगभग 14 हजार करोड़ रुपये का दावा न किया गया धन इसी जटिलता और देरी की आर्थिक कीमत दिखाता है।भूमि रिकॉर्ड की कमजोरी भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी दरार है। कई राज्यों में कैडस्ट्रल मानचित्रों का डिजिटलीकरण अधूरा है। रजिस्ट्रेशन और म्यूटेशन अलग-अलग चलते हैं—एक जगह रजिस्ट्री हो जाती है, दूसरी जगह नाम दर्ज होने में समय लगता है। पुराने सर्वेक्षण, वास्तविक कब्जे और सरकारी रिकॉर्ड का अंतर विवाद पैदा करता है। जब मूल रिकॉर्ड ही अद्यतन और एकरूप न हो, तो अधिकारी के विवेक की गुंजाइश बढ़ती है और वहीं रिश्वत के रास्ते खुलते हैं। डिजिटल रिकॉर्ड ने सूचना तो सुलभ की है, लेकिन जवाबदेही की ऐसी मजबूत कड़ी नहीं बनाई, जो नागरिक को तय समय में, बिना अतिरिक्त भुगतान, अपना काम होने का भरोसा दे सके।पंजीकरण कार्यालय इस भ्रष्ट तंत्र का सबसे बड़ा पड़ाव बनकर सामने आते हैं। सर्वेक्षण में 73 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इन्हीं कार्यालयों को रिश्वत का प्रमुख केंद्र बताया। कुछ परिवारों ने केवल यहीं भुगतान किया, तो कुछ को अदालतों और दूसरे सरकारी दफ्तरों में भी पैसा देना पड़ा। प्रक्रिया जितनी पेचीदा, दलाल उतना जरूरी। सामान्य नागरिक को न दस्तावेजों की पूरी जानकारी होती है, न आपत्तियों की वैधता और न प्रक्रिया के अगले चरण का स्पष्ट पता। इसी अंधेरे में बिचौलियों का कारोबार फलता है। रिश्वत से इनकार करने वाले परिवारों का काम महीनों, कभी वर्षों तक अटक सकता है।

# प्रोटॉन थेरेपी से कैंसर उपचार में नई सटीकता

## एसीटीआरईसी में उन्नत प्रोटॉन उपचार ने भारत में कैंसर चिकित्सा के क्षेत्र में जोड़ा अत्यधिक सटीक उपचार का एक नया विकल्प

रमेश जायभाये

किसी परिवार को जब पहली बार यह सुनने को मिलता है कि कैंसर है, तो उसके मन में सबसे पहले तकनीक से जुड़े सवाल नहीं आते। सवाल बेहद सरल होते हैं—क्या इसका इलाज संभव है? कहां उपचार कराया जाए? किस तरह का उपचार जरूरी होगा? और क्या इलाज के दौरान शरीर के स्वस्थ हिस्सों को सुरक्षित रखा जा सकता है?

ये सवाल तब और महत्वपूर्ण हो जाते हैं, जब ट्यूमर किसी महत्वपूर्ण अंग के बेहद करीब हो या किसी बच्चे को रेडिएशन उपचार की जरूरत हो और उसका शरीर अभी विकास की अवस्था में हो।

ऐसी परिस्थितियों में प्रोटॉन थेरेपी कैंसर उपचार का एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त विकल्प बनकर सामने आई है।

मुंबई के नवी मुंबई स्थित एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर (एसीटीआरईसी) में प्रोटॉन बीम थेरेपी ने भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की कैंसर चिकित्सा व्यवस्था में रेडिएशन उपचार का एक अत्यंत सटीक विकल्प उपलब्ध कराया है। हालांकि प्रोटॉन थेरेपी एसीटीआरईसी के व्यापक कैंसर नियंत्रण प्रयास का केवल एक हिस्सा है। संस्थान में कैंसर की रोकथाम, शुरुआती पहचान, उपचार और अनुसंधान को एक-दूसरे से जोड़कर काम किया जाता है।

एसीटीआरईसी भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन अनुदान सहायता प्राप्त संस्थान है और टाटा मेमोरियल सेंटर का हिस्सा है।

रोकथाम अब भी पहला कदम

भारत में कैंसर का बढ़ता बोझ उपचार सुविधाओं पर दबाव बढ़ा रहा है। एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर (एसीटीआरईसी) के निदेशक डॉ. पंकज चतुर्वेदी इस बात पर जोर देते हैं कि केवल अस्पतालों और उपचार सुविधाओं का विस्तार इस चुनौती का समाधान नहीं है। रोकथाम योग्य कैंसर के मामलों को कम करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।इस प्रयास में तंबाकू एक प्रमुख मुद्दा है। धूम्रपान तथा धुआं रहित या चबाने वाले तंबाकू का सेवन विशेष रूप से मुंह और फेफड़ों के कैंसर सहित कई प्रकार के कैंसर से जुड़ा है। इसलिए तंबाकू छोड़ने में सहायता करना कैंसर की शुरुआत से पहले ही हस्तक्षेप का अवसर देता है।तंबाकू छोड़ने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए तंबाकू-निरोधक सेवाएं और क्विटलाइन सहायता उपलब्ध करा सकती हैं।

मुंह के कैंसर के मामले में लंबे समय तक बने रहने वाले बदलावों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। खासकर तंबाकू का सेवन करने वालों में ऐसा घाव जो ठीक न हो, असामान्य धब्बा या सूजन शुरुआती जांच का संकेत हो सकता है।

एसीटीआरईसी के सेंटर फॉर कैंसर एपिडेमियोलॉजी (सीसीई) की उप निदेशक डॉ. गौरवी मिश्रा कैंसर नियंत्रण के व्यापक जनसंख्या आधारित पहलू पर काम करती हैं। महामारी विज्ञान संबंधी अध्ययन से यह समझने में मदद मिलती है कि कैंसर के मामले किन क्षेत्रों और आबादी में अधिक हैं तथा रोकथाम और शुरुआती पहचान के प्रयासों को कहां मजबूत किया जाना चाहिए।

गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर रोकथाम और शुरुआती पहचान के महत्व को स्पष्ट करता है। इसमें एचपीवी टीकाकरण और स्क्रीनिंग महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं, स्तन कैंसर के मामले में समय पर पहचान उपचार प्रबंधन को प्रभावित कर सकती है।

एसीटीआरईसी में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनुज कैंसर उपचार में शुरुआती निदान के महत्व को रेखांकित करती हैं।

प्रोटॉन थेरेपी: जहां सटीकता मायने रखती है

जिन मरीजों को रेडिएशन उपचार की आवश्यकता होती है, उनके लिए उद्देश्य केवल ट्यूमर को नष्ट करना नहीं होता। उपचार के दौरान आसपास के स्वस्थ ऊतकों पर अनावश्यक रेडिएशन को कम करना भी महत्वपूर्ण होता है।

यहीं प्रोटॉन थेरेपी की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।

पारंपरिक रेडिएशन उपचार में सामान्यत: फोटॉन या एक्स-रे का उपयोग होता है, जबकि प्रोटॉन थेरेपी में आवेशित प्रोटॉन कणों का उपयोग किया जाता है। इनके भौतिक गुण चिकित्सकों को चयनित ट्यूमर पर उपचार की आवश्यक खुराक को अधिक सटीकता से केंद्रित करने और आसपास के सामान्य ऊतकों पर रेडिएशन के प्रभाव को कम करने का अवसर देते हैं।

एसीटीआरईसी के अनुसार, प्रोटॉन थेरेपी विशेष रूप से बच्चों, मस्तिष्क और रीढ़ के ट्यूमर, सिर एवं गर्दन के ट्यूमर—जिनमें खोपड़ी के आधार और पैरानैसल साइनस के ट्यूमर शामिल हैं—तथा हड्डी और सॉफ्ट-टिश्यू ट्यूमर के मामलों में उपयोगी हो सकती है। अन्य कैंसर में इसकी भूमिका पर भी अनुसंधान जारी है।

बच्चों के मामले में यह तकनीक विशेष महत्व रखती है। उनका शरीर अभी विकसित हो रहा होता है और स्वस्थ ऊतकों पर अनावश्यक रेडिएशन को सीमित करना दीर्घकालिक प्रभावों को कम करने में मदद कर सकता है। एसीटीआरईसी की सुविधा में बहुत छोटे बच्चों के उपचार के दौरान एनेस्थीसिया की व्यवस्था भी है।

एसीटीआरईसी की प्रोटॉन सुविधा को मई 2023 में राष्ट्र को समर्पित किया गया और अगस्त 2023 में यहां मरीजों का उपचार शुरू हुआ। इसमें 360 डिग्री घूमने वाली गैण्ट्री वाली तीन उपचार कक्ष हैं। यहां पेंसिल बीम स्कैनिंग तकनीक के माध्यम से इंटेंसिटी मॉड्यूलेटेड प्रोटॉन थेरेपी (आईएमपीटी) दी जा सकती है। रोबोटिक ट्रीटमेंट काउच मरीज की सटीक स्थिति सुनिश्चित करने में सहायता करते हैं।

हालांकि प्रोटॉन थेरेपी हर कैंसर मरीज के लिए उपयुक्त नहीं है।

एसीटीआरईसी में विशेषज्ञों की रोग-विशिष्ट टीम यह तय करती है कि किसी मरीज और उसके ट्यूमर को प्रोटॉन थेरेपी से वास्तविक लाभ मिलने की संभावना है या नहीं।

इसलिए प्रोटॉन थेरेपी पारंपरिक रेडिएशन उपचार का विकल्प नहीं, बल्कि उपयुक्त मरीजों के लिए उपलब्ध एक अतिरिक्त और अत्यधिक सटीक उपचार विकल्प है।

भारत में अभी सीमित केंद्रों पर उपलब्ध

एसीटीआरईसी में प्रोटॉन थेरेपी की उपलब्धता का महत्व केवल इसकी अत्याधुनिक तकनीक तक सीमित नहीं है।

सरकारी जानकारी के अनुसार भारत में वर्तमान में दो परिचालित प्रोटॉन थेरेपी केंद्र हैं—नवी मुंबई में एसीटीआरईसी और चेन्नई में अपोलो प्रोटॉन कैंसर सेंटर। फरवरी 2026 में लोकसभा में दिए गए एक उत्तर के अनुसार, टाटा मेमोरियल सेंटर ने 31 दिसंबर 2025 तक एसीटीआरईसी में 748 मरीजों का उपचार किया था।इस सुविधा में उपचार की पहुंच पर भी ध्यान दिया गया है। सरकारी जानकारी के अनुसार, सुविधा शुरू होने के बाद 541 मरीजों को एसीटीआरईसी में प्रोटॉन थेरेपी दी गई, जिनमें 65 प्रतिशत मरीजों का उपचार रियायती दर पर हुआ, जबकि 27 प्रतिशत मरीजों को रोगी कल्याण और कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) सहायता के माध्यम से निशुल्क उपचार या आर्थिक सहायता मिली।मरीजों और परिवारों के लिए इसका महत्व केवल अत्याधुनिक तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि ऐसी विशेष चिकित्सा जरूरतमंद मरीजों तक कितनी पहुंच बना सकती है।

मेष राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के विद्यार्थियों का दिन राहत भरा रहेगा और वे नया शेड्यूल बनाने का विचार कर सकते हैं। फ़ोन का इस्तेमाल कम से कम करें। पैसों के मामलों में लोगों पर ज़रूरत से ज़्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए।

वृष राशि: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपकी योजनाओं के अनुसार सभी काम पूरे होने से आपका मन काम में लगा रहेगा। सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ सकती है। आपको अपने जीवनसाथी से काम में पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। व्यापार में साझेदारी से लाभ हो सकता है।

मिथुन राशि: आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए आपको नए अवसर मिलेंगे। उधार दिया हुआ पैसा अचानक वापस मिल सकता है। व्यापार में किसी व्यक्ति से लाभ मिलने की उम्मीद बढ़ेगी। भाई-बहनों से आपको पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा।

कर्क राशि: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका पूरा ध्यान काम को पूरा करने में लगा रहेगा। किस्मत का साथ मिलने में थोड़ी परेशानी आ सकती है। ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार-विमर्श करना पड़ सकता है; विरोधी पक्ष आपकी योजनाओं से प्रभावित हो सकता है। इस राशि के जो लोग बड़ी कंपनियों में काम करते हैं, उनके लिए आज का दिन बेहद खास है।

सिंह राशि: आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान निकल सकता है, जिससे मन में प्रसन्नता रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्यों की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन में कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे।

कन्या राशि: आज आपका दिन अच्छे मूड से शुरू होने वाला है। आज माता-पिता से किसी काम के लिए ली गई सलाह कारगर साबित होगी। राजनीति व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन अनुकूल रहेगा।

तुला राशि : आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। बिजनेस के क्षेत्र में आपको बड़ा धन लाभ हो सकता है। विरोधी पक्ष आज आपसे दूरी बनाकर रहेगा। जो लोग लकड़ी के व्यापार से जुड़े हैं, आज उनको कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है। लेखक आज कोई नई कहानी लिख सकते हैं, जिसे लोगों द्वारा खूब पसंद किया जाएगा।

वृश्चिक राशि: आज आपके दिन की शुरुआत आपके अनुकूल होने वाली है। अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिए आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लेकर जाएं; आपका काम सफल होगा। आज आपके जीवनसाथी को तरक्की का अच्छा अवसर मिलेगा। कूरियर का बिजनेस कर रहे कारोबारियों को आज विशेष लाभ होगा।

धनु राशि: आज आपका दिन पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आप परिवार वालों के साथ समय बिताएंगे; साथ ही जीवनसाथी के साथ लंबी बातचीत हो सकती है, जिससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे। दोस्तों के साथ घर पर ही मूवी देखने की योजना बना सकते हैं।

मकर राशि:आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। लवमेट्स के लिए आज का दिन बढ़िया है; साथ ही किसी अच्छे रेस्तरां में भी जा सकते हैं। किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए।

कुंभ राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आप किसी बात को लेकर थोड़ी उलझन में रह सकते हैं। परिवार वालों के साथ बाहर मूवी जाने का प्लान बन सकता है। दोस्तों की बर्थडे पार्टी में जा सकते हैं, जहाँ बाकी दोस्तों के साथ एंजॉय करने का मौका मिलेगा।

मीन राशि:आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होने वाला है। आपके अच्छे विचार समाज में अलग पहचान बनाने में मदद करेंगे। घर पर फ्लावर डेकोरेशन का काम करवा सकते हैं। कॉन्ट्रैक्टर के लिए आज का दिन धन लाभ देने वाला है।

# पॉक्सो बना वैवाहिक जंग का हथियार तो सुप्रीम कोर्ट ने खींची लक्ष्मण रेखा!

### न्याय के तराजू पर तीन संवेदनशील मामले! -वैवाहिक विवादों में पॉक्सो दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश, डोंबिवली पार्षद की जमानत रद्द व दिल्ली-एनसीआर यौन अपराधों पर स्वत:संज्ञान -समग्र व्यापार विश्लेषण

**-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र**

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत में न्यायपालिका को आम नागरिक न्याय की अंतिम आशा के रूप में देखता है शासन -प्रशासन, संस्था अथवा किसी शक्तिशाली व्यक्ति के विरुद्ध शिकायत हो या दो सामान्य नागरिकों के बीच विवाद, संविधान के समक्ष समानता और विधि के शासन का मूल सिद्धांत यही है कि न्यायिक प्रक्रिया व्यक्ति की हैसियत नहीं,कानून और साक्ष्यों को देखे।सितंबर 2026 के अंतिम सप्ताह में सर्वोच्च न्यायालय से जुड़े तीन घटनाक्रमों ने न्याय,सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के इसी संतुलन को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि 28 सितंबर को न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में हाल की यौन अपराध की घटनाओं,जिनमें चलती स्लीपर बस में नाबालिग के साथ कथित सामूहिक यौन अपराध भी शामिल है,का स्वत: संज्ञान लेकर इसे 2012 के निर्भया प्रकरण की पीड़ादायक याद दिलाने वाला बताया और सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा तथा प्रशासनिक जवाबदेही पर सवाल उठाए।इसी दिन महाराष्ट्र के डोंबिवली स्थित शास्त्रीनगर अस्पताल में चिकित्सकों पर कथित हमले के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने एक राजनीतिक पार्टी के पार्षद को मिली जमानत पर रोक लगाते हुए तीन दिनों में आत्मसमर्पण का निर्देश दिया और चिकित्सा समुदाय की सुरक्षा पर कठोर संदेश दिया।तीसरा और दूरगामी घटनाक्रम 24 सितंबर 2026 का आर बनाम ई एवं अन्य,2026 आईएनएससी 1049 फैसला है,जिसमें वैवाहिक एवं बाल-अभिरक्षा विवादों के बीच पॉक्सो कानून के संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने विस्तृत सुरक्षा उपाय निर्धारित किए।

साथियों दिल्ली-एनसीआर की घटना में सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं संज्ञान लेते हुए अपनी रजिस्ट्री को जनहित मामला दर्ज करने का निर्देश दिया।उपलब्ध विवरण के अनुसार 16 वर्षीय लड़की के साथ चलती स्लीपर बस में चालक और परिचालक द्वारा कथित सामूहिक यौन अपराध का मामला सामने आया था। न्यायालय ने कहा कि पार्क,बस जैसे सार्वजनिक स्थान कमजोर प्रकाश व्यवस्था, अपर्याप्त निगरानी और प्रशासनिक कमियों के कारण उच्च जोखिम वाले क्षेत्र नहीं बनने दिए जा सकते।नाबालिग से यौन अपराध के मामलों में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो) के प्रासंगिक प्रावधान तथा तथ्य के अनुसार भारतीय न्याय संहिता,2023 के यौन अपराध संबंधी प्रावधान लागू हो सकते हैं; हालांकि किसी विशेष धारा का अंतिम निर्धारण प्राथमिकी, पीड़िता के बयान,चिकित्सकीय-साक्ष्य और आरोपपत्र पर निर्भर करता है।अत:न्यायालय के स्वत: संज्ञान को किसी आरोपी के अपराध का अंतिम न्यायिक निष्कर्ष नहीं माना जाना चाहिए।

साथियों, दूसरी ओर डोंबिवली अस्पताल प्रकरण सत्ता या सामाजिक प्रभाव से ऊपर कानून के शासन का महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। रमेश म्हात्रे और अन्य पर चिकित्सकों एवं अस्पताल कर्मचारियों से कथित मारपीट का मामला है। प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता की धारा 132 लोक सेवक को कर्तव्य निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल,धारा121(1) लोक सेवक को चोट पहुंचाने से संबंधित प्रावधान, धारा 351(1) आपराधिक धमकी, धारा 352 जानबूझकर अपमान,धारा 189 (2) विधिविरुद्ध जमाव और धारा 191(2) दंगा सहित प्रावधान लगाए जाने की खबर है। मामले में महाराष्ट्र के चिकित्सा सेवा कर्मियों और चिकित्सा संस्थानों में हिंसा एवं संपत्ति की क्षति रोकने संबंधी विशेष राज्य कानून के प्रावधान भी लगाए गए हैं।सर्वोच्च न्यायालय ने 28 सितंबर को उच्च न्यायालय द्वारा दी गई जमानत पर रोक लगाते हुए आरोपी को तीन दिनों में आत्मसमर्पण का निर्देश दिया। पीठ के समक्ष उसके पूर्व आपराधिक मामलों का रिकॉर्ड भी विचार में आया।महत्वपूर्ण है कि मुकदमा अभी न्यायिक प्रक्रिया में है, इसलिए आरोपों को अंतिम दोषसिद्धि के समान नहीं समझा जाना चाहिए।

साथियों इन घटनाक्रमों में सबसे व्यापक कानूनी प्रभाव वाला निर्णय आर बनाम ई एवं अन्य,सिविल अपील संख्या 13119/ 2026, विशेष अनुमति याचिका (सिविल) संख्या 1092/2024 से उत्पन्न संबंधित आपराधिक अपीलों तथा अवमानना याचिका संख्या 208/2024 है। माननीय दो सदस्यों की पीठ के सामने माता-पिता के बीच लंबे समय से चल रहा वैवाहिक एवं बच्चे की अभिरक्षा का विवाद था।बच्चे का जन्म 2015 में हुआ था।बेंगलुरु परिवार न्यायालय ने मार्च 2022 में अभिरक्षा पिता को दी,जिसे जनवरी 2023 में कर्नाटक उच्च न्यायालय और बाद में सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती असफल होने के बाद प्रभावी रखा गया। इसके बाद 2024 में मां की ओर से पिता तथा परिवार के सदस्यों के विरुद्ध बच्चे के यौन शोषण का आरोप लगाते हुएमामला दर्ज कराया गया, जिसमें पॉक्सो अधिनियम की धारा 10,किशोर न्याय (बालकों की देखरेख औरसंरक्षण) अधिनियम की धारा 75 तथा तत्कालीन भारतीय दंड संहिता के प्रावधान शामिल थे।आरोपों की असाधारण गंभीरता देखते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने अप्रैल 2026 में जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंपी और बाल एवं किशोर मनोचिकित्सा तथा नैदानिक मनोविज्ञान विशेषज्ञों की सहायता लेने की व्यवस्था की।

## ट्रैफिक चालान नहीं भरा तो बिजली बिल में जोड़ दें जुर्माना, सुप्रीम कोर्ट ने दी सलाह



नई दिल्ली ,(आरएनएस)। देश भर में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने के बाद चालान न भरने वाले वाहन चालकों पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अख्तियार किया है। शीर्ष अदालत ने लंबित ई-चालान की वसूली के लिए एक बेहद कड़ा और अनोखा सुझाव देते हुए कहा कि अगर लोग चालान का भुगतान नहीं कर रहे हैं, तो जुर्माने की रकम को सीधे उनके बिजली के बिल में जोड़ दिया जाए। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि बिजली का बिल तो लोगों को मजबूरी में भरना ही पड़ेगा, वरना उनका बिजली कनेक्शन काट दिया जाएगा; देश में चालान वसूली का कोई ठोस और प्रभावी रास्ता निकालना ही होगा।

सिर्फ पर्ची फाड़ना काफी नहीं, ?45,000 करोड़ की वसूली बाकी- जस्टिस पारदीवाला

मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला की पीठ ने दो टूक कहा कि केवल ई-चालान जारी करते रहने से जमीनी हालात नहीं सुधरेंगे। पुलिस लाखों चालान काटकर बैठ सकती है, लेकिन सबसे अहम सवाल यह है कि उन पर लगाए गए जुर्माने की वास्तविक वसूली कैसे की जाए। सुनवाई के दौरान अदालत को अवगत कराया गया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ई-चालान के रूप में अब तक 45,000 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि बकाया है, जिसमें से महज 25,000 करोड़ रुपये की ही वसूली हो सकी है। कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों को कागजों से बाहर निकलकर जमीनी हकीकत के मुताबिक काम करने की सख्त जरूरत है।

### बॉलीवुड में आईटी का बड़ा छापा, अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और वासु भगनानी के 12 ठिकानों पर एक साथ दबिश

मुंबई , ,(आरएनएस)। बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में उस वक्त भारी हड़कंप मच गया जब आयकर विभाग ने मशहूर अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह, उनके ससुर व दिग्गज फिल्म निर्माता वासु भगनानी और जानी-मानी फिल्म निर्माण कंपनी पैनोरमा स्टूडियोज से जुड़े ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू कर दी। संदिग्ध वित्तीय लेन-देन और कर चोरी के इनपुट्स मिलने के बाद आयकर विभाग की अलग-अलग विशेष टीमों ने मुंबई में करीब 12 ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया है। अचानक हुई इस कार्रवाई से फिल्म जगत के गलियारों में खलबली मच गई है।

12 ठिकानों पर एक साथ दबिश, विदेशी लेन-देन के रिकॉर्ड खंगाल रही टीमें

आयकर विभाग की टीमें संबंधित प्रोडक्शन हाउस, दफ्तरों और रिहायशी परिसरों में पहुंचकर दस्तावेजों की बारीकी से जांच कर रही हैं। जांच अधिकारी कंपनियों के वित्तीय बही-खाते, बैलेंस शीट, बैंक खातों के लेन-देन और हाल के वर्षों में किए गए बड़े विदेशी ट्रांजैक्शन से जुड़े डिजिटल रिकॉर्ड्स को अपने कब्जे में ले रहे हैं। अधिकारियों का मुख्य फोकस यह पता लगाने पर है कि क्या इन लेन-देन में टैक्स नियमों का उल्लंघन किया गया है या फिर अघोषित आय को छुपाने की कोशिश हुई है।

### दहेज में 10 तोला सोना और 45 लाख कैश देने के बाद भी नहीं भरा पेट, तंग आकर महिला इंजीनियर ने की खुदकुशी

पुणे , (आरएनएस)। पुणे में शादी के महज कुछ महीने बाद एक 23 वर्षीय महिला आईटी इंजीनियर की आत्महत्या का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान वैष्णवी प्रवीण जरांडे के रूप में हुई है। उसके मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर महिला के पति, सास और ससुर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परिजनों के अनुसार वैष्णवी की शादी 9 मई को ओंकार संजय घिसारे के साथ हुई थी। शादी के बाद वह पुणे स्थित ससुराल में रहने लगी थी। कुछ समय वह नौकरी के सिलसिले में बेंगलुरु में रही और जून के अंत में पुणे लौट आई। इसके बाद वह ससुराल में रहते हुए ही एक आईटी कंपनी में नौकरी कर रही थी।

शादी में 45 लाख रुपये और 10 तोला सोना देने का दावा

वैष्णवी के मायके वालों का आरोप है कि शादी में उन्होंने करीब 45 लाख रुपये खर्च किए थे और 10 तोला सोना भी दिया था। इसके बावजूद शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष की ओर से कार खरीदने के लिए मायके से 5 लाख रुपये लाने का दबाव बनाया जा रहा था।

परिजनों का आरोप है कि पैसे और कार की मांग पूरी नहीं होने पर वैष्णवी को लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान किया जाता था। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

मौत से पहले मां को किया था फोन

परिवार की शिकायत के मुताबिक, 24 सितंबर की रात वैष्णवी ने अपनी मां को फोन किया था। उसने कथित तौर पर फोन पर ससुराल में हो रही परेशानी और उत्पीड़न के बारे में बताया था। उसी रात करीब 11-30 बजे उसके पति की ओर से भी वैष्णवी के मायके फोन किया गया।

इसके बाद परिवार ने वैष्णवी से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन जब उससे बात नहीं हो सकी तो परिजन तत्काल पुणे के लिए रवाना हुए। वहां पहुंचने पर उन्हें वैष्णवी की मौत की जानकारी मिली। पुलिस के अनुसार, उसने कथित तौर पर अपने ससुराल में आत्महत्या कर ली।

पति, सास और ससुर के खिलाफ मामला दर्ज

वैष्णवी के पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने उसके पति ओंकार संजय घिसारे, सास और ससुर के खिलाफ दहेज प्रतिषेध कानून तथा आत्महत्या के लिए उकसाने से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है।

# प्रदूषण के विरुद्ध दिल्ली की लड़ाई होगी और भी ठोस, कैबिनेट ने लिए दो महत्वपूर्ण और प्रभावी निर्णय

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। राजधानी के प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने जनभागीदारी को साथ लेकर 'विंटर एक्शन प्लान 2026-27' लागू कर दिया है। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई दिल्ली कैबिनेट की बैठक में प्रदूषण नियंत्रण के लिए जमीनी स्तर पर सफाई व्यवस्था को मजबूत करने और प्रदूषण के स्रोतों की वैज्ञानिक व रियल-टाइम पहचान करने से जुड़े दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। पहले निर्णय के तहत छोटी सड़कों पर भी मशीनीकृत सफाई व्यवस्था का विस्तार किया जाएगा। इसके लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को 30 इलेक्ट्रिक वाहन आधारित मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें (एमआरएसएम) उपलब्ध कराने के लिए अनुदान दिया जाएगा। वहीं, दूसरे निर्णय के अंतर्गत आईआईटी दिल्ली के सहयोग से पीएम2.5 और पीएम10 के प्रदूषण स्रोतों की लगातार रियल-टाइम पहचान और



विश्लेषण की व्यवस्था विकसित की जाएगी।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रदूषण को केवल सर्दियों में बढ़ने वाली समस्या के रूप में नहीं देख रही, बल्कि पूरे वर्ष प्रदूषण के स्रोतों पर लगातार और वैज्ञानिक तरीके से काम कर रही है। केंद्र सरकार और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन व सहयोग से दिल्ली को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में सरकार पूरी गंभीरता से काम कर रही है। सरकार के विभिन्न विभाग, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति, नगर निगम और वैज्ञानिक संस्थान मिलकर प्रदूषण नियंत्रण के लिए लगातार ठोस कदम उठा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्रदूषण के हर प्रमुख स्रोत पर एक साथ काम किया जाए और उसके लिए पर्याप्त संसाधन भी उपलब्ध कराए जाएं। सड़क की धूल, वाहनों से होने वाला प्रदूषण, निर्माण एवं विध्वंस गतिविधियों से निकलने वाली धूल, औद्योगिक प्रदूषण, कचरा व बायोमास जलाने से होने वाले प्रदूषण, हरित क्षेत्र बढ़ाने और नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे सभी क्षेत्रों में सरकार लगातार कार्रवाई कर रही है।

**छोटी सड़कों तक पहुंचेगी मशीनीकृत सफाई व्यवस्था**

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि सड़क की धूल को कणीय प्रदूषण (पार्टिकुलेट पॉल्यूशन) का एक महत्वपूर्ण स्रोत मानते हुए कैबिनेट ने उन छोटी सड़कों पर मशीनीकृत सफाई का विस्तार करने का निर्णय लिया है, जहां फिलहाल ऐसी सुविधा उपलब्ध नहीं है। इस पहल के तहत 10 मीटर से कम राइट ऑफ वे वाली लगभग 609 किलोमीटर लंबी सड़कें शामिल की गई हैं। इनमें 250 वार्डों की 854 सड़कों की पहचान की गई है।उन्होंने बताया कि सरकार इस पहल के लिए नगर निगम को अनुदान उपलब्ध कराएगी। वहीं, निगम जमीन पर मशीनों की तैनाती और संचालन करेगा। ईवी आधारित 30 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों की इस व्यवस्था पर 10 वर्षों में लगभग 393.73 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इलेक्ट्रिक मशीनों के इस्तेमाल से प्रदूषण नियंत्रण के लिए की जाने वाली सफाई प्रक्रिया भी पर्यावरण के अनुकूल रहेगी।

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में 1,941 करोड़ रुपये की लागत वाले बारापुल्ला फेज-3 एलिवेटेड कॉरिडोर और अन्य कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा, कपिल मिश्रा, आशीष सूद और मनजिंदर सिंह सिरसा समेत अन्य लोग भी मौजूद थे।

## सरकारी अस्पताल में जन्म पर नवजात को मिलेगी 1 ग्राम सोने की अंगूठी, सरकार ने शुरू की नई योजना

चेन्नई/मदुरै , ,(आरएनएस)। तमिलनाडु सरकार नवजात बच्चों के लिए एक अनूठी योजना शुरू करने जा रही है। राज्य के सरकारी अस्पतालों और सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में जन्म लेने वाले पात्र बच्चों को सरकार की ओर से 1 ग्राम सोने की अंगूठी दी जाएगी। 'थाई मामन थंगा मोथिरम थिट्टम' नाम की इस योजना का औपचारिक शुभारंभ सोमवार, 28 सितंबर को मदुरै के सरकारी राजाजी अस्पताल में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय करेंगे।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि योजना का लाभ केवल शुभारंभ के बाद जन्म लेने वाले बच्चों तक सीमित नहीं रहेगा। 22 जून 2026 से 27 सितंबर 2026 के बीच सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले पात्र बच्चे भी योजना के दायरे में होंगे।

पहले चरण में खरीदी गईं 1.28 लाख अंगूठियां

तमिलनाडु सरकार के मुताबिक योजना के शुरुआती चरण में 1.28 लाख सोने की अंगूठियां खरीदी गई हैं। प्रत्येक अंगूठी पर अलग सीरियल नंबर होगा और इन्हें छेड़छाड़ से सुरक्षित पैकेजिंग में लाभार्थियों को दिया जाएगा।

योजना के तहत आगे हर साल बड़ी संख्या में बच्चों को अंगूठियां वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में प्रसव को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति लोगों का भरोसा मजबूत करना है।

तमिल परंपरा से प्रेरित है योजना

'थाई मामन थंगा मोथिरम' योजना का नाम तमिल समाज की पारंपरिक 'थाई मामन सीर' परंपरा से जुड़ा है। तमिल परंपरा में बच्चे के जन्म के अवसर पर उसके मामा की ओर से उपहार देने की परंपरा रही है। इसी सांस्कृतिक परंपरा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने नवजात बच्चों के स्वागत के लिए सोने की अंगूठी देने की योजना तैयार की है।

## सीबीएसई के क्लास 6 के छात्रों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, नहीं देनी होगी तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा

नई दिल्ली र ,(आरएनएस)। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन से जुड़े लाखों स्कूली छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए सुप्रीम कोर्ट से बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार और सीबीएसई को स्पष्ट निर्देश दिया है कि कक्षा 7 के छात्रों को तीन-भाषा नीति से जो छूट प्रदान की गई है, उसका दायरा बढ़ाकर उसे मौजूदा कक्षा 6 के छात्रों पर भी समान रूप से लागू किया जाए। इस फैसले के बाद अब कक्षा 6 में पढ़ रहे छात्रों को भी भविष्य में 10वीं बोर्ड में तीसरी भाषा की अनिवार्य परीक्षा के मानसिक दबाव से मुक्ति मिल सकेगी।

क्लास 7, 8 और 9 की तरह क्लास 6 को भी मिले समान छूट- सुप्रीम कोर्ट

चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की तीन सदस्यीय विशेष पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए यह अहम निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान केंद्र और सीबीएसई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी के समक्ष पीठ ने दो टूक कहा कि वर्तमान में कक्षा 6 में पढ़ रहे बच्चों को भी वही रियायत मिलनी चाहिए जो कक्षा 7, 8 और 9 के मौजूदा बैच को दी जा चुकी है। सीबीएसई द्वारा 29 जून को जारी परिपत्र के अनुसार, कक्षा 7 से 9 तक के छात्रों को कक्षा 10 में पहुंचने पर तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा देने की अनिवार्यता से पहले ही छूट दी गई थी, जिसे अब कक्षा 6 के लिए भी बढ़ा दिया गया है।

99 फीसदी स्कूलों में ढांचा तैयार, नीति को 2027 सत्र से लागू करने की तैयारी

पीठ ने अपने आदेश में रेखांकित किया कि सॉलिसिटर जनरल के अनुसार लगभग 99 प्रतिशत स्कूलों ने तीसरी भाषा की नीति को अपना लिया है और आवश्यक शैक्षणिक सुविधाएं जुटा ली हैं, जबकि केवल 1.2 प्रतिशत स्कूल ही इस प्रक्रिया में पीछे रहे हैं।

# आईएएस से इस्तीफे के बाद दिव्या मित्तल का सियासत में बड़ा कदम, बिना किसी पार्टी सिंबल के लड़ेंगी चुनाव

लखनऊ ,(आरएनएस)। प्रशासनिक सेवा से अचानक इस्तीफा देकर सबको चौंकाने वाली पूर्व चर्चित आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने राजनीति में उतरने का औपचारिक ऐलान कर दिया है। सोशल मीडिया पर एक भावुक और तीखा वीडियो संदेश जारी करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि वे किसी राजनीतिक दल या झंडे के नीचे नहीं, बल्कि सीधे आम जनता के साथ मिलकर 'इरादे और न्याय की राजनीति' करेंगी। उन्होंने कहा कि उनका मकसद किसी सत्ता की सीढ़ी चढ़ना नहीं, बल्कि उन वंचितों की आवाज बनना है जिनकी फरियाद सरकारी दफ्तरों तक नहीं पहुंच पाती।



'मुझे देश की आजादी के 80 सालों का हिसाब चाहिए'

दिव्या मित्तल ने वीडियो में अपने इस्तीफे के पीछे की असली वजह और भविष्य की योजनाएं साझा करते हुए सीधे सिस्टम पर तीखे सवाल दागे। उन्होंने कहा कि लोग पूछते थे कि अफसर बनने के बाद अब क्या बनना चाहती हैं, तो उनका जवाब है कि वे उन लोगों की आवाज बनना चाहती हैं जिन्हें अनसुना कर दिया गया। उन्होंने कहा, जिन झंडों के नीचे 80 सालों में हालात नहीं बदले, उन झंडों के नीचे खड़े होकर इंसाफ नहीं मांगा जा सकता। जो हिस्सा बन जाए, वह हिसाब नहीं मांग सकता। इसलिए मैं राजनीति किसी दल के साथ नहीं, केवल जनता के साथ करूंगी।

सिस्टम की बेरुखी और भ्रष्टाचार के खोले कई राज

पूर्व आईएएस ने फील्ड पोस्टिंग के दौरान झेले गए दर्दनाक अनुभवों को साझा करते हुए नौकरशाही और राजनीतिक दखलअंदाजी की पोल खोली। मिर्जापुर के लहुरिया दह का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि जिस पहाड़ी गांव में पानी नहीं था, वहां की एक महिला ने उनसे सिर्फ 5वीं से आगे स्कूल मांगा था। उन्होंने स्कूल स्वीकृत कराया, लेकिन तीन साल बाद भी वह नहीं बन सका क्योंकि सिस्टम में 'इरादे की कमी' थी। इसके अलावा, राजस्व विभाग में तैनाती के दौरान एक भूमिहीन व्यक्ति के पट्टे की जमीन पर 'ऊपर के आदेश' का हवाला देकर कब्जा न दिलाए जाने की लाचारी बयां करते हुए उन्होंने सवाल किया कि जब संविधान में सबसे ऊपर जनता है, तो फिर यह 'ऊपर' कौन बैठा है?

गड्ढों में गिरती जिंदगी, पेपर लीक और,द्व के दौर में युवाओं की चिंता

दिव्या मित्तल ने सड़कों के गड्ढों, पुल न होने से टापू बनते गांवों और व्यवस्था की लापरवाही से होने वाली मौतों को 'हादसा नहीं, फैसला' करार दिया। युवाओं और छात्रों के दर्द को उठाते हुए उन्होंने कहा कि रात-रात भर पढ़ने वाले नौजवान पेपर लीक और अदालती मुकदमों में 5-5 साल बर्बाद कर रहे हैं। माता-पिता जमीन-जेवर गिरवी रखकर बच्चों को पढ़ा रहे हैं, लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बदलती दुनिया के बीच उनका भविष्य सुरक्षित है या नहीं, इस पर संसद या विधानसभाओं में कोई सार्थक चर्चा नहीं हो रही है।

उत्तर प्रदेश से होगी शुरुआत, मिर्जापुर से ताल ठोकने की चर्चा

अपनी कर्मभूमि उत्तर प्रदेश को बदलाव का केंद्र बताते हुए दिव्या ने कहा कि 1857 की क्रांति से लेकर अब तक यूपी ने हमेशा देश को नई राह दिखाई है। उन्होंने देवरिया में चलाए गए 'ऑपरेशन कब्जा मुक्ति' का उदाहरण देते हुए कहा कि जब जनता साथ आती है तो बड़े-बड़े काम मुमकिन हो जाते हैं। किसी पार्टी के साथ गुप्त मुलाकात के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन्होंने स्वतंत्र रूप से जनता के बीच जाने का संकल्प दोहराया है। राजनीतिक गलियारों में कयास लगाए जा रहे हैं कि अपनी लोकप्रिय प्रशासनिक छवि के चलते वे मिर्जापुर संसदीय या विधानसभा क्षेत्र से सीधे चुनावी मैदान में उतर सकती हैं।

# डिलीवरी ब्वॉय को 5 स्टार होटल ले गया कंटेंट क्रिएटर, गार्ड ने रोका तो दिया ऐसा जवाब कि जीत लिया दिल

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। सोशल मीडिया की भागदौड़ भरी दुनिया में कभी-कभी ऐसा दिल छू लेने वाला वीडियो सामने आता है जो इंसानियत और अपनेपन की मिसाल पेश कर जाता है। ऐसा ही एक बेहद भावुक कर देने वाला वीडियो इन दिनों इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें मशहूर कंटेंट क्रिएटर जैद मेहदी ने सड़क पर खड़े एक डिलीवरी पार्टनर को पास के एक आलीशान फाइव स्टार होटल में ले जाकर मिल्कशेक की ट्रीट दी। हर रोज दूसरों की पसंदीदा चीजें उनके दरवाजों तक पहुंचाने वाले एक डिलीवरी वर्कर के लिए यह अनुभव किसी खूबसूरत सपने से कम नहीं था।

गेट पर सिक्योरिटी गार्ड ने रोका, क्रिएटर का जवाब सुन भावुक हुए लोग

जैसे ही जैद अपनी गाड़ी से उस डिलीवरी पार्टनर को लेकर फाइव स्टार होटल के मुख्य द्वार पर पहुंचे, वहां तैनात सिक्योरिटी स्टाफ ने उन्हें रोक लिया। होटल के नियमों और रूटीन चेकिंग के चलते किसी डिलीवरी बॉय का इस तरह अंदर जाना सुरक्षाकर्मियों के लिए असामान्य था। हालांकि, जैद मेहदी ने जिस सहजता और गरिमा से स्थिति को संभाला, उसी ने इंटरनेट का दिल जीत लिया। जैद ने गार्ड से बिना किसी झिझक के कहा कि चिंता की




कोई बात नहीं है, यह उनके अंकल जैसे हैं। किसी डिलीवरी वर्कर को उसके काम या वर्दी के बजाय परिवार के सदस्य जैसा मान-सम्मान दिलाते देख सिक्योरिटी गार्ड ने भी मुस्कुराकर दोनों को अंदर जाने दिया।

आलीशान इंटीरियर देखकर हैरान हुआ डिलीवरी पार्टनर, साझा किया जिंदगी का दर्द

होटल के अंदर दाखिल होते ही डिलीवरी पार्टनर वहां की जगमगाती रोशनी, शानदार सजावट और भव्य माहौल को देखकर दंग रह गए। टेबल पर बैठकर जब दोनों ने मिल्कशेक ऑर्डर किया, तो बातचीत के दौरान जिंदगी का एक दर्दनाक पहलू सामने आया। डिलीवरी पार्टनर ने बताया कि कुछ समय पहले वे एक भयानक सड़क हादसे का शिकार हो गए थे, जब एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी थी। लंबे समय तक बिस्तर पर जिंदगी और मौत की जंग लड़ने के बाद वे ठीक हुए और परिवार चलाने के लिए दोबारा धूप-धूल में डिलीवरी का काम शुरू किया। उनकी आपबीती सुनकर जैद भी भावुक नजर आए।

### 'अंकल, खूब मजा आया ना?'- सोशल मीडिया पर हो रही जमकर तारीफ

जब टेबल पर ठंडा मिल्कशेक आया, तो डिलीवरी पार्टनर की आंखों में एक अलग ही सुकून और चेहरे पर खिलखिलाती मुस्कान बिखर गई। वीडियो के आखिर में जैद ने जब मुस्कुराते हुए पूछा, 'अंकल, आज खूब मजा आया ना?' तो उन्होंने सिर हिलाते हुए पूरे दिल से 'हां' कहा। इंस्टाग्राम पर यह वीडियो आते ही वायरल हो गया और लाखों यूजर्स क्रिएटर के इस खूबसूरत जेस्चर पर फिदा हो गए। यूजर्स ने कमेंट करते हुए लिखा कि दूसरों की भूख मिटाने और सेवा करने वाले हाथ भी इसी तरह के सम्मान और प्यार के सच्चे हकदार हैं।

## अक्षय खन्ना ने मालाबार हिल में खरीदा लग्जरी आशियाना, 2 करोड़ चुकाई सिर्फ स्टांप ड्यूटी; देखें नए घर की खासियत

मुंबई ,(आरएनएस)। बॉलीवुड के संजीदा और दिग्गज अभिनेता अक्षय खन्ना ने मुंबई के सबसे पॉश और महंगे इलाकों में शुमार मालाबार हिल में एक आलीशान अपार्टमेंट खरीदा है। रियल एस्टेट डेटा



एनालिटिक्स फर्म स्क्वायर यार्ड्स के मुताबिक, अभिनेता ने इस लग्जरी प्रॉपर्टी के लिए ?33.26 करोड़ की भारी-भरकम रकम चुकाई है। इस संपत्ति की आधिकारिक रजिस्ट्री सितंबर 2026 में पूरी की गई है, जिसके दस्तावेज सामने आने के बाद फिल्म गलियारों और रियल एस्टेट बाजार में इस सौदे की खूब चर्चा हो रही है।महाराष्ट्र के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ रजिस्ट्रेशन पर दर्ज दस्तावेजों के अनुसार, यह सुपर-लग्जरी अपार्टमेंट मालाबार हिल रोड पर स्थित प्रतिष्ठित '30 लिटिल गिब्स' प्रोजेक्ट में स्थित है। इस अपार्टमेंट का कारपेट एरिया 2,341.39 वर्ग फुट (लगभग 217.52 वर्ग मीटर) है। इसके साथ 175.45 वर्ग फुट की एक खूबसूरत बालकनी भी जुड़ी है, जहां से खुला नजारा दिखता है। इस सौदे के तहत अभिनेता को परिसर में तीन विशेष कार पार्किंग यूनिट्स भी आवंटित की गई हैं। इस हाई-वैल्यू डील के लिए अक्षय खन्ना ने ?1.99 करोड़ की स्टांप ड्यूटी और ?30,000 की रजिस्ट्रेशन फीस का भुगतान किया है। दक्षिण मुंबई का मालाबार हिल देश के सबसे महंगे और प्रतिष्ठित आवासीय पतों में गिना जाता है। अरब सागर के किनारे स्थित यह इलाका अपनी शांति, हरियाली और शानदार लाइफस्टाइल के लिए जाना जाता है।

# अमेरिका में सबसे बड़ा स्टील प्लांट बनाएगा भारत का ESSAR ग्रुप, ट्रंप ने किया 18 अरब डॉलर के प्रोजेक्ट का ऐलान

वॉशिंगटन (ए.) । भारत का एस्सार ग्रुप अमेरिका में करीब 18 अरब डॉलर का बड़ा निवेश करने की योजना बना रहा है। समूह के इस निवेश में आयोवा में 15 अरब डॉलर की लागत से बनने वाला विशाल स्टील प्लांट भी शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ओवल ऑफिस में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान आयोवा स्टील प्लांट परियोजना की घोषणा की। इस मौके पर एस्सार ग्रुप के मालिक रुइया परिवार के सदस्य भी मौजूद रहे।

एस्सार की अमेरिकी सब्सिडियरी मेसाबी मेटालिक्स इस स्टील प्लांट का निर्माण करेगी। कंपनी के मुताबिक यह परियोजना अमेरिका में एक इंटीग्रेटेड स्टील सप्लाई चेन का हिस्सा होगी। इसके लिए लौह अयस्क मिनिसोटा में कंपनी के ऑपरेशन्स से उपलब्ध कराया जाएगा।

ट्रंप ने परियोजना को अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा स्टील प्लांट बताया। उन्होंने कहा कि यह न केवल अमेरिका, बल्कि दुनिया के सबसे बड़े स्टील प्लांटों में शामिल होगा। प्लांट में 2030 से उत्पादन शुरू होने का अनुमान है और पूरी क्षमता पर पहुंचने के बाद यहां हर साल करीब 10 मिलियन टन यानी 1 करोड़ टन स्टील का उत्पादन किया जाएगा।

व्हाइट हाउस के मुताबिक प्लांट में स्टील बनाने की पूरी प्रक्रिया अमेरिका में ही होगी। इससे अमेरिकी स्टील सप्लाई चेन को मजबूती मिलने की उम्मीद है।ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी स्टील उद्योग तेजी से पटरी पर लौट रहा है। उन्होंने इसके लिए स्टील आयात पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को भी एक प्रमुख कारण बताया। ट्रंप ने कहा कि कंपनियां अमेरिका में ही अपने प्लांट लगा रही हैं, क्योंकि वे आयात शुल्क का भुगतान नहीं करना चाहतीं। उन्होंने कहा, 卐हर कोई अपने प्लांट यहीं लगा रहा है क्योंकि वे टैरिफ नहीं देना चाहते। यह असल में इतना मुश्किल नहीं है।卐मेसाबी मेटालिक्स के चेयरमैन रेवंत रुइया ने अमेरिका में उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए ट्रंप का आभार जताया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने देश में चीजें बनाने के महत्व को फिर से स्थापित किया है।एस्सार का यह निवेश भारत की किसी कंपनी द्वारा अमेरिका में किए जाने वाले बड़े विदेशी निवेशों में से एक माना जा रहा है। आयोवा में प्रस्तावित स्टील प्लांट समूह की अमेरिकी विस्तार योजना का प्रमुख हिस्सा होगा।

## स्कूल ने ब्लॉक किया CHATGPT तो 17 वर्षीय छात्रा ने खड़ा कर दिया AI स्टार्टअप, मां के दर्द से जन्मा अनोखा आइडिया

वाशिंगटन (ए.) । जहां दुनिया भर के शिक्षण संस्थान इस बात से चिंतित हैं कि छात्र होमवर्क और असाइनमेंट के लिए एआई (AI) टूल्स का सहारा लेकर अपनी सोचने-समझने की क्षमता खो रहे हैं, वहीं भारतीय मूल की 17 वर्षीय छात्रा नव्या टुटेजा ने इस पाबंदी को ही अपनी सबसे बड़ी ताकत में बदल दिया। वाशिंगटन डी.सी. के प्रतिष्ठित थॉमस जेफरसन हाई स्कूल प्रशासन ने जब स्कूल वाई-फाई पर चैटजीपीटी और क्लाउड जैसे टूल्स पूरी तरह ब्लॉक कर दिए, तो 12वीं में पढ़ने वाली नव्या ने शॉर्टकट ढूंढने के बजाय खुद का दिमाग चलाना शुरू किया। इसी का नतीजा है कि आज नव्या 'राहा' (Raaha) नाम के एक सफल एआई स्टार्टअप की फाउंडर बन चुकी हैं, जिसके प्लेटफॉर्म पर 1,000 से अधिक एक्टिव यूजर्स और 20,000 से ज्यादा जॉब लिस्टिंग्स उपलब्ध हैं।

### मां की परेशानी ने दिया प्रेरणा, न्यूरोडाइवर्जेंट लोगों के लिए बनाया प्लेटफॉर्म

फॉर्च्यून के अनुसार, नव्या के इस स्टार्टअप की नींव के पीछे एक भावुक कहानी जुड़ी है। नव्या की मां सुनने में अक्षम हैं। नव्या ने बेहद करीब से देखा कि न्यूरोडाइवर्जेंट (विशेष ज़रूरतों और दिमागी भिन्नता वाले) लोगों के लिए नौकरी खोजना कितना मुश्किल और तनावपूर्ण काम होता है। कंपनियां बड़े-बड़े दावों के साथ विज्ञापन तो निकालती हैं, लेकिन दफ्तर का असल माहौल इन लोगों के अनुकूल है या नहीं, यह कोई नहीं बताता। इस समस्या को सुलझाने के लिए नव्या ने खुद कोडिंग और एल्गोरिदम लिखकर एक ऐसा फ्री एआई प्लेटफॉर्म तैयार किया, जो आवेदन करने से पहले ही उम्मीदवारों को यह बता देता है कि संबंधित कार्यस्थल उनके अनुकूल है या नहीं।

**'शॉर्टकट से बेवकूफ बनाता है AI', स्कूल असाइनमेंट में नहीं करतीं इस्तेमाल**

ओईसीडी (OECD) के हालिया आंकड़े बताते हैं कि एआई टूल्स पर अत्यधिक निर्भरता के कारण 15 साल के बच्चों का बौद्धिक स्तर 25 साल के निचले स्तर पर पहुंच चुका है। इसके विपरीत नव्या का नजरिया पूरी तरह अलग है। नव्या का मानना है कि यदि आप बिना दिमाग लगाए एआई का इस्तेमाल करेंगे तो यह आपको धीरे-धीरे बेवकूफ बना देगा। स्कूल में एआई बैन होने के बाद उन्होंने अपनी पढ़ाई और प्रोजेक्ट्स के लिए खुद सोचना सीखा और शाम को घर आकर उस बौद्धिक ऊर्जा का इस्तेमाल अपने स्टार्टअप को विकसित करने में किया। आज वे अपने स्कूल के एआई क्लब की प्रेसिडेंट हैं, लेकिन अपनी पढ़ाई और परीक्षा की तैयारी के लिए एआई का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं करतीं।

### दिल्ली से अमेरिका तक का सफर: माता-पिता के संस्कारों ने गढ़ा भविष्य

नव्या के पिता रोहित टुटेजा जाने-माने साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट हैं और मां दीप्ति टुटेजा ई-ट्रेड व वीडी बैंक जैसी दिग्गज बहुराष्ट्रीय कंपनियों में डेटा मैनेजमेंट हेड रह चुकी हैं। दिल्ली से अमेरिका जाकर बसे इस परिवार ने अपनी बेटी को शुरू से ही शॉर्टकट और नकल से दूर रहने की सीख दी। 'राहा' के अलावा नव्या ने 'लेजिबल' नाम का एक अन्य टूल भी तैयार किया है, जो स्पेशल नीड वाले बच्चों के जटिल कानूनी और मेडिकल दस्तावेजों को सरल भाषा में समझाता है। इसके लिए वे अमेरिकी शिक्षा विभाग और सीनेटरों के साथ मिलकर काम कर रही हैं। उनका साफ मानना है कि एआई पर प्रतिबंध लगाने के बजाय इसका सकारात्मक व जिम्मेदार उपयोग सीखना ही समय की मांग है।

## बाजार पर बरसे बम, 49 की मौत-58 घायल; म्यांमार में सेना ने विद्रोही गुट इलाके में किए हवाई हमले

नेपीडॉ (ए.) । म्यांमार के पश्चिमी रखाइन राज्य में सेना ने विद्रोही गुट के नियंत्रण वाले इलाके में एक बाजार के पास भीषण हवाई हमला किया, जिसमें कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई और 58 लोग घायल हो गए। घायलों में 22 की हालत गंभीर बताई जा रही है। हमले के बाद पूरे इलाके में दहशत और अफरा-तफरी का माहौल है।यह हमला सोमवार को क्याउक्ताव टाउनशिप में हुआ, जो देश के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले से करीब 340 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। क्याउक्ताव क्षेत्र पर रखाइन आधारित शक्तिशाली जातीय सशस्त्र संगठन 'अराकान आर्मी' का नियंत्रण है।घटना की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। मंगलवार तड़के जारी बयान में अराकान आर्मी ने दावा किया कि दोपहर के समय एक लड़ाकू विमान ने स्थानीय बाजार के पास दो बम गिराए। हमले में दुकानदार, खरीदार और राहगीर इसकी चपेट में आ गए। संगठन ने कहा कि 58 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 22 की स्थिति गंभीर है। अराकान आर्मी ने बयान में कहा कि वह इस हमले के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार लोगों और संगठनों के खिलाफ प्रभावी जवाबी कार्रवाई करेगी।रखाइन में बचाव कार्यों से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी वाई हुन आंग ने घटनास्थल पर मौजूद राहतकर्मियों के हवाले से मृतकों और घायलों की संख्या की पुष्टि की।

## चीन के कोस्ट गार्ड ने किनमेन द्वीप के पास नियमित गश्त तेज की

मॉस्को, (ए.) । चीन के कोस्ट गार्ड के प्रवक्ता झू एनकिंग ने मंगलवार को कहा कि चीन के फुज़ियान प्रांत के कोस्ट गार्ड ने नियंत्रण मज़बूत करने के लिए ताइवान जलडमरूमध्य में

किनमेन द्वीप समूह के पास नियमित गश्त का आयोजन किया है।झू ने कहा, सितंबर की शुरुआत से ही, फुज़ियान कोस्ट गार्ड ने किनमेन द्वीप समूह के पास के जलक्षेत्र में कानून के अनुसार नियमित रूप से कानून लागू करने वाली गश्त के लिए जहाजों का एक समूह भेजा है।प्रवक्ता ने कहा कि ये गश्त संबंधित जलक्षेत्र में नियंत्रण मज़बूत करने और ताइवान जलडमरूमध्य के दोनों ओर रहने वाले लोगों के कानूनी अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए आयोजित की गई थीं। उन्होंने कहा कि इस कदम से जलक्षेत्र में सामान्य आवाजाही और संचालन व्यवस्था भी सुनिश्चित होगी।

# मनोरंजन

## ऋचा चड्ढा लेकर आई नया ट्रैवल शो मुसाफिरी, दिखेगा मुंबई का अनदेखा इतिहास

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा की नॉन-फिक्शन ट्रैवल सीरीज मुसाफिरी का पहला एपिसोड रिलीज हो रहा है। इस सीरीज में मुंबई शहर के इतिहास, वहां के समुदायों, छिपी हुई कहानियों और कम चर्चित जगहों को दिखाया जाएगा। पहले एपिसोड में मुंबई के इतिहास, कल्चर और कुछ सबसे हैरान करने वाले राज दिखाए गए हैं। इस एपिसोड में किम कार्दशियन और साउथ मुंबई के सबसे मशहूर इलाकों में से एक काला घोड़ा के बीच एक अनोखा कनेक्शन भी बताया गया है। ऋचा ने मुंबई को भी एक्सप्लोर किया है और शहर के देवी-देवताओं से जुड़े दिलचस्प किस्से बताए हैं, जिनमें मां महालक्ष्मी भी शामिल हैं, जिन्हें मुंबई की माता देवी माना जाता है।

अभिनेत्री का मानना है कि मुंबई शहर ऐसी कहानियों से भरा पड़ा है, जिनके बीच लोग बड़े होते हैं लेकिन कभी रुककर उन्हें जानने की कोशिश नहीं करते। अभिनेत्री ने कहा, मुंबई में इतनी सारी कहानियां हैं, जिनके बीच हम बड़े हुए हैं, लेकिन लोगों के साथ मैं इन्हें शेयर करना चाहती थीं।

एपिसोड में दर्शकों को मुंबई के सबसे पुराने आर्मेनियाई चर्चों में से एक में भी ले जाया जाता है और गेटवे ऑफ इंडिया के इतिहास और इसे क्यों बनाया गया था, इसके बारे में भी बताया गया है। अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने कहा, मुझे उम्मीद है कि जो लोग पूरी जिंदगी मुंबई में रहे हैं, वे भी शहर को एक अलग नजर से देखेंगे और उन्हें लगेगा जैसे वे एक नई मुंबई को खोज रहे हैं। मुसाफिरी का पहला एपिसोड आज शाम उनके यूट्यूब चैनल फुलस्टॉप पर आएगा।

## डायरेक्टर इशिका के काम की दीवानी हुई अदा खान, बोलीं- मैं तो बस देखती ही रह गई

अभिनेत्री अदा खान साइकोलॉजिकल थ्रिलर वेब सीरीज द लिफ्ट में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने सीरीज को लेकर अपना अनुभव शेयर करते हुए बताया कि शूट के दौरान सभी एक्टर्स के बीच में बॉन्ड काफी अच्छा बन गया था। अभिनेत्री ने कहा, हर दिन हमारा एक नया

अनुभव होता था। एक ताजगी का एहसास था और मैं खुद भी कुछ नया महसूस कर रही थी। काफी समय से मुझे ऐसा कुछ करने का मौका नहीं मिला था। इस शो ने मुझे अलग ही खुशी दी और मुझे इस पर काम करके बहुत मजा आया। अदा खान ने सीरीज में अभिनेता प्रतीक सहजपाल के साथ काम करने को लेकर भी बात की।

उन्होंने माना कि वह खुद इंट्रोवर्ट हैं और जल्दी दोस्ती नहीं कर पातीं लेकिन प्रतीक ने उन्हें टीम के साथ घुलने-मिलने में मदद की। उन्होंने कहा, प्रतीक ऐसा इंसान है जो खुद ही माहौल को हल्का कर देता है। वह बहुत ही चिल्ड-आउट इंसान है। आप उसके साथ बातें करते रह सकते हैं और मस्ती कर सकते हैं। मुझे लगता है कि वह उन गिने-चुने लोगों में से एक है जिसके साथ मुझे खुलने में ज्यादा समय नहीं लगा।अभिनेत्री ने बताया कि वह शूट के दौरान निर्देशक इशिका के काम से भी काफी प्रभावित रहीं थी। उन्होंने कहा, मैं कह सकती हूं कि मैं उनके काम से बहुत ज्यादा इम्प्रेस थी, या कहूं तो मंत्रमुग्ध थी। पूरे शूट के दौरान मैं बस उनके काम को देखती रह गई। इसके साथ ही शो की कहानी के बारे में बात करते हुए अदा ने कहा, हर इंसान में अच्छाई और बुराई दोनों होती हैं। मुझे लगता है कि हर किरदार के पीछे एक साइकोलॉजिकल पहलू होता है। मैं ज्यादा कुछ बताना नहीं चाहती लेकिन हर किरदार में कई परतें हैं और उन्हें एक्सप्लोर करना काफी दिलचस्प रहा।

## केले के छिलके को खाद में बदलने के लिए अपनाएं ये 5 सरल तरीके

आमतौर पर लोग केले के छिलकों को फेंक देते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनका इस्तेमाल पौधों के लिए प्राकृतिक खाद के रूप में किया जा सकता है? केले के छिलके में पोटेशियम, फास्फोरस और कैल्शियम जैसे जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो पौधों की वृद्धि के लिए फायदेमंद होते हैं। आइए आज हम आपको केले के छिलके को खाद में बदलने के कुछ आसान टिप्स बताते हैं।

### केले के छिलकों को सुखाएं

केले के छिलके को खाद में बदलने के लिए सबसे पहले उन्हें सुखाना जरूरी है। इसके लिए केले के छिलकों को धूप में रखकर सुखाएं। इससे उनमें मौजूद नमी खत्म हो जाएगी और वे आसानी से टूटने लगेंगे। सूखे हुए छिलकों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें, ताकि उन्हें खाद में मिलाना आसान हो जाए। इस प्रक्रिया से छिलकों में मौजूद पोषक तत्वों को भी बढ़ावा मिलेगा और वे पौधों के लिए अधिक फायदेमंद होंगे।

### पानी में उबालें

सूखे हुए केले के टुकड़ों को पानी में उबालना भी एक अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले पानी को उबालें और उसमें कटे हुए छिलकों को डाल दें।जब पानी उबलने लगे तो आंच बंद कर दें और मिश्रण को ठंडा होने दें। ठंडा होने के बाद इस पानी को अपने पौधों पर डालें।यह पानी आपके पौधों को पोषण देने में मदद करेगा और उन्हें स्वस्थ बनाए रखेगा।

### भूसी बनाना

केले के छिलकों को भूसी बनाना भी एक अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले सूखे हुए छिलकों को मिक्सर में पीस लें, ताकि वे बारीक पाउडर बन जाएं।इस पाउडर को आप सीधे मिट्टी में मिला सकते हैं या फिर इसे पानी में घोलकर अपने पौधों पर डाल सकते हैं।इससे आपके पौधों को प्राकृतिक तरीके से पोषण मिलेगा और वे अच्छी तरह से बढ़ भी सकेंगे।

### जैविक खाद बनाना

केले के छिलकों से जैविक खाद बनाना भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले सूखे हुए छिलकों को किसी बर्तन में डालें, फिर उसमें पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं।अब इस मिश्रण को कुछ दिनों तक ढककर रखें, ताकि इसमें छोटे जीवाणु विकसित हो सकें और यह खाद बन सके।जब यह मिश्रण काली मिट्टी जैसा दिखने लगे तो आपकी जैविक खाद तैयार हो जाएगी, जिसे आप अपने पौधों की जड़ो में डाल सकते हैं।

### प्राकृतिक खाद बनाना

प्राकृतिक खाद बनाने के लिए सबसे पहले सूखे हुए छिलकों को किसी बर्तन में डालें, फिर उसमें गुड़ या चीनी मिलाएं, ताकि छोटे जीवाणु सक्रिय हो सकें। अब इस मिश्रण को कुछ दिनों तक ढककर रखें, ताकि यह अच्छी तरह से गल सके और खाद तैयार हो जाए।इस प्रकार आप आसानी से अपने घर पर ही केले के छिलके से प्राकृतिक खाद बना सकते हैं, जो आपके पौधों के लिए बहुत फायदेमंद होगी।

## वर्क फ्रॉम होम के दौरान बार-बार भटक जाता है ध्यान? अपनाएं ये तरीके

कोरोना के बाद से घर से काम करने का चलन काफी बढ़ गया है। यह न केवल कर्मचारियों को आराम देता है, बल्कि उन्हें अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने का मौका भी देता है। हालांकि, घर पर काम करते समय कई बार रुकावटें आती हैं, जो काम करने की क्षमता को प्रभावित करती हैं। हम आपको कुछ आसान सुझाव देंगे, जिनसे आप इन रुकावटों को कम कर सकते हैं और अपने काम पर ध्यान केंद्रित रख सकते हैं।

### एक खास जगह तय करें

घर में एक ऐसी जगह तय करें, जो केवल आपके काम के लिए हो। इससे आपका दिमाग उस जगह को काम करने की जगह के रूप में पहचान लेगा और आपकी काम करने की क्षमता बढ़ेगी।

इस जगह पर एक आरामदायक कुर्सी और टेबल रखें, जिससे आप लंबे समय तक आराम से बैठ सकें।इसके अलावा इस जगह को व्यवस्थित रखें, ताकि आपको बार-बार चीजें ढूंढने के लिए समय बर्बाद न करना पड़े और आपका ध्यान भटके नहीं।

### परिवार और दोस्तों से दूरी बनाएं

अगर आपके घर में अन्य लोग भी रहते हैं तो उनसे थोड़ी दूरी बनाकर रखें, जब आप काम कर रहे हों। उन्हें समझाएं कि आप काम कर रहे हैं और आपको परेशान न करें।इसके लिए आप नोटिस बोर्ड लगा सकते हैं, जिससे वे जान सकें कि आप काम कर रहे हैं और आपको परेशान न करें।यह तरीका न केवल काम करने की क्षमता

बढ़ाएगा, बल्कि परिवार के सदस्यों को आपके काम का महत्व समझने में मदद करेगा।

### समय का प्रबंधन करें

अपनी दिनचर्या को इस तरह से सेट करें कि आप समय पर काम शुरू करें और समय पर खत्म करें।इसके लिए आप अलार्म या कैलेंडर ऐप्स का उपयोग कर सकते हैं, जो आपको समय पर काम खत्म करने की याद दिलाएंगे।इसके अलावा बीच-बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लें, ताकि आपका दिमाग तरोताजा रहे और आप अपनी ऊर्जा बनाए रख सकें। इस तरह आप बिना किसी रुकावट के अपने काम को समय पर पूरा कर सकेंगे।

### तकनीकी उपकरणों का सही उपयोग करें

तकनीकी उपकरण, जैसे कंप्यूटर और मोबाइल फोन आदि का सही उपयोग करें, ताकि आपको बार-बार इनकी तलाश न करनी पड़े। अगर आपका कंप्यूटर धीमा हो रहा है तो उसे सुधारें या बदलें।

मोबाइल फोन पर सूचनाएं बंद रखें, ताकि आपका ध्यान भटके नहीं। इसके अलावा इंटरनेट कनेक्शन को स्थिर रखें, ताकि बार-बार डिस्कनेक्ट होने की समस्या न हो।इससे आपका काम बिना किसी रुकावट के चलता रहेगा और आप अधिक प्रभावी बन सकेंगे।

### खुद को प्रेरित रखें

खुद को प्रेरित रखने के लिए सकारात्मक विचार अपनाएं और अपने लक्ष्यों को याद रखें। अपने लिए छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित करें, जिन्हें आप आसानी से पूरा कर सकें।इससे आपकी आत्मविश्वास बढ़ेगी और आप अधिक प्रेरित महसूस करेंगे। इसके अलावा अपने काम के दौरान कुछ प्रेरणादायक वीडियो या किताबें पढ़ें, जो आपको आगे बढने की प्रेरणा दें।इस तरह आप बिना किसी रुकावट के अपने काम पर ध्यान केंद्रित रख सकेंगे और अपनी काम करने की क्षमता बढ़ा सकेंगे।

## छत्तीसगढ़ गौरवः ललित मिश्रा को अमेरिका की प्रतिष्ठित डी.लीट उपाधि, समाज सेवा के लिए मिला सर्वोच्च सम्मान

रायपुर / राजिम, (आरएनएस)। प्रदेश के लिए गौरव का क्षण। समाज में जागरूकता, साहित्य, कला, शिक्षा के उन्नयन, नारीशक्ति के संरक्षण एवं संवर्धन तथा सामाजिक समरसता के क्षेत्र में अद्वितीय एवं ऐतिहासिक योगदान के लिए वरिष्ठ समाजसेवी एवं साहित्यकार ललित मिश्रा को डी.लिट. (डॉक्टर ऑफलिटरेचर) की सर्वोच्च मानद उपाधि से विभूषित किया गया है। यह प्रतिष्ठित उपाधि डॉ. एस. राधाकृष्णन रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर, बैंगलोर के प्रस्ताव पर ग्लोबल इन एनवायरमेंट यूनिवर्सिटी ऑफ अमेरिका द्वारा प्रदान की गई है। उल्लेखनीय है कि ललित मिश्रा महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं छत्तीसगढ़ी के आदि कवि पंडित सुंदरलाल शर्मा के परिवार से संबंध रखते हैं। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपनी धर्मपत्नी, प्रख्यात साहित्यकार एवं कवयित्री तथा शासकीय राजीव लोचन महाविद्यालय, राजिम की पूर्व प्राचार्य को अपना मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्रोत बताया है।इस उपलब्धि पर साहित्य, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

## प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में 74 हजार से अधिक हितग्राही पात्र, 1393 अपात्र

रायपुर, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास प्लस 2.0 (2024) सर्वे के आधार पर सिस्टम जनरेट प्राथमिकता सूची का ग्रामसभा में अनुमोदन किया गया है। अनुमोदित सूची के अनुसार रायपुर जिले के चार जनपदों में कुल 75 हजार 461 हितग्राहियों में से 74 हजार 68 हितग्राही पात्र तथा 1 हजार 393 हितग्राही अपात्र पाए गए हैं।

जिला पंचायत रायपुर से जारी जानकारी के अनुसार अभनपुर जनपद में कुल 18,352 हितग्राहियों में 18,095 पात्र एवं 257 अपात्र, आरंग में 25,814 में 25,138 पात्र एवं 676 अपात्र, धरसींवा में 11,540 में 11,210 पात्र एवं 330 अपात्र तथा तिल्दा में 19,755 हितग्राहियों में 19,625 पात्र एवं 130 अपात्र पाए गए हैं।

ग्रामसभा में दावा-आपत्ति का अवसर

सूची में अपात्र पाए गए हितग्राही 28 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। दावा-आपत्ति ग्रामसभा में आमंत्रित की गई है। निर्धारित समयावधि में प्राप्त लिखित आवेदनों पर जिला स्तरीय समिति द्वारा नियमानुसार विचार किया जाएगा।

जिला पंचायत ने स्पष्ट किया है कि समय-सीमा के बाद प्राप्त, त्रुटिपूर्ण अथवा अस्पष्ट आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

## आईएएस आशीष कुमार टिकरिहा को जनसंपर्क संचालक का अतिरिक्त प्रभार

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ शासन ने प्रशासनिक स्तर पर महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए 2021 बैच के आईएएस अधिकारी आशीष कुमार टिकरिहा को जनसंपर्क संचालक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने सोमवार को आदेश जारी किया।

आदेश के मुताबिक आशीष कुमार टिकरिहा वर्तमान में छत्तीसगढ़ वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन के प्रबंध संचालक के पद पर कार्यरत हैं। अब वे अपने वर्तमान दायित्वों के साथ जनसंपर्क संचालक का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे।

शासन के आदेश के बाद जनसंपर्क विभाग के प्रशासनिक और विभागीय कामकाज की जिम्मेदारी भी उनके पास रहेगी। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू मानी जा रही है।

## रेत घाटों के संचालन में पारदर्शिता की मांग, कलेक्ट्रेट पहुंची जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी

धमतरी, (आरएनएस)। में 16 अक्टूबर 2026 से मानसून उपरांत नए एवं पुराने रेत घाटों में उत्खनन एवं परिवहन शुरू होने से पहले पारदर्शी एवं नियमानुसार संचालन सुनिश्चित करने की मांग को लेकर मंगलवार कलेक्टर जनदर्शन में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के जिला पदाधिकारी एवं सदस्य कलेक्ट्रेट पहुंचे।पार्टी ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) धमतरी के माध्यम से कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के समक्ष रेत खदानों के संचालन में भौतिक एवं जीपीएस सीमांकन, सूचना बोर्ड, शासकीय दर-सूची प्रदर्शित करने तथा अवैध मशीनी उत्खनन एवं ओवरलोडिंग पर प्रभावी रोक लगाने की मांग रखी।जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी जिला धमतरी के अध्यक्ष निखलेश देवान ने मंगलवार को बताया कि जिले एवं धमतरी तहसील के अंतर्गत आने वाले सभी नए एवं पुराने रेत घाटों, जिनमें ग्राम तेंदूकोन्हा स्थित खसरा नंबर 1/502, रकबा 4.90 हेक्टेयर सहित अन्य स्वीकृत घाट शामिल हैं, का संचालन शुरू होने से पहले राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर भौतिक सीमांकन कराया जाना चाहिए। पार्टी ने मांग की है कि स्वीकृत रकबे के चारों कोनों पर जीपीएस कोऑर्डिनेट अंकित कंक्रीट के पिलर या बुर्जी स्थापित किए जाएं, जिससे स्वीकृत सीमा से बाहर उत्खनन की संभावना को रोका जा सके। प्रत्येक रेत घाट के प्रवेश द्वार पर बड़े एवं स्पष्ट सूचना बोर्ड लगाए जाने की मांग भी की गई है, जिसमें खदान का नाम, स्वीकृत खसरा नंबर, कुल रकबा, पट्टाधारक या ठेकेदार का नाम, ई-ऑक्शन में स्वीकृत दर, स्वीकृत उत्खनन गहराई तथा शिकायत के लिए संबंधित विभाग का हेल्पलाइन नंबर प्रदर्शित हो। पार्टी ने रेत उत्खनन के तरीके को लेकर भी नियमों का कड़ाई से पालन कराने की मांग की है। उनका कहना है कि पर्यावरणीय स्वीकृति एवं एनजीटी के निर्देशों के अनुरूप नदी के जल प्रवाह क्षेत्र में भारी पोकलेन एवं जेसीबी मशीनों से अत्यधिक गहराई तक उत्खनन पर प्रभावी नियंत्रण होना चाहिए तथा स्थानीय मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने और नदी के प्राकृतिक प्रवाह की सुरक्षा के लिए नियमानुसार हस्तचलित उत्खनन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके साथ ही बिना वैध ई-ट्रांजिट पास के रेत परिवहन पर पूर्ण रोक लगाने तथा हाइवा एवं डंपर जैसे भारी वाहनों की ओवरलोडिंग रोकने के लिए नियमित जांच अभियान चलाने और तौल-कांटा (वेटब्रिज) की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई है जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने कहा कि रेत घाटों का संचालन पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय ग्रामीणों के हित, निर्धारित नियमों और आम जनता को नियंत्रित दरों पर रेत उपलब्ध कराने की व्यवस्था के अनुरूप होना चाहिए।

## रावण का पुतला जलाना मानवाधिकार का उल्लंघन है या नहीं छत्तीसगढ़ आयोग में पहुंचा अनोखा मामला

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ मानव अधिकार आयोग के सामने सामाजिक बहिष्कार, प्रताड़ना और अधिकारों से जुड़े मामलों के बीच एक ऐसा आवेदन भी पहुंचा, जिसमें पौराणिक पात्र रावण और दुर्योधन को मानवाधिकार के नजरिए से जोड़ते हुए सवाल उठाया गया। आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष गिरधारी नायक ने बताया कि आवेदक ने पूछा कि हर साल दशहरे पर रावण का पुतला जलाया जाता है, तो क्या यह उसके मानवाधिकारों का हनन नहीं है। साथ ही सवाल किया गया कि यदि रावण का पुतला जलाया जाता है तो महाभारत के दुर्योधन का पुतला क्यों नहीं जलाया जाता।आवेदक के सवाल पर आयोग ने स्पष्ट किया कि रावण मानव नहीं था, इसलिए यह मामला मानव अधिकार आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। इस तरह पौराणिक पात्र और आधुनिक मानवाधिकार की अवधारणा को जोड़कर किया गया यह आवेदन आयोग के लिए अलग तरह का मामला रहा।26 साल में 74 हजार मामले, करीब 900 लंबितगिरधारी नायक के अनुसार आयोग के गठन के बाद करीब 26 वर्षों में 74 हजार मामले सामने आए हैं। इनमें लगभग 900 मामले लंबित हैं। आयोग के समक्ष आने वाले मामलों में सामाजिक बहिष्कार से जुड़े प्रकरणों की हिस्सेदारी करीब 40 से 45 प्रतिशत बताई गई है।

## बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार में शामिल होने राष्ट्रपति को किया गया आमंत्रित

जगदलपुर, (आरएनएस)। बस्तर दशहरा के अवसर पर 23 अक्टूबर 2026 को जगदलपुर में आयोजित होने वाले मुरिया दरबार में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को आमंत्रित किया गया है। राष्ट्रपति ने आमंत्रण पर राष्ट्रपति ने मुरिया दरबार में आने का प्रयास करेंगी कहते हुए अपनी सहमति व्यक्त की है। बस्तर लोकसभा सांसद महेश कश्यप ने राष्ट्रपति के आगमन को बस्तरवासियों के लिए गौरव का अवसर बताया है।

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में आज मंगलवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का निमंत्रण पत्र राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को सौंपा गया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, छत्तीसगढ़ संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल तथा संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन उपस्थित रहे।सांसद महेश कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आमंत्रण को राष्ट्रपति द्वारा स्वीकार किया जाना बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति और परंपराओं के लिए गौरव की बात है। पिछले वर्ष इसी मुरिया दरबार में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की गरिमामयी उपस्थिति रही थी। अब राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का आगमन इस ऐतिहासिक परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देने वाला अवसर है।उन्होंने कहा कि मां दंतेश्वरी को समर्पित बस्तर दशहरा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि बस्तर की जनजातीय आस्था, सामाजिक परंपराओं का जीवंत प्रतीक है।

## कांग्रेस के पूर्व विधायक ने बाढ़ प्रभावितों को आवास देने, ऋण माफ़ी की मांग

जगदलपुर । कांग्रेस के पूर्व विधायक व संसदीय सचिव रेखचंद जैन आज मंगलवार को बाढ़ प्रभावित गांव नदी बोड़ना, भेजापदर व रामपाल अपने सहयोगियों के साथ पहुंचकर हालात का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों को राहत सामग्री प्रदान कर शासन से प्रभावित परिवारों को आवास देने, एवं किसानों के ऋण माफ़ी की मांग की है। इस दौरान उनके साथ हेमू उपाध्याय, सुरेंद्र झा, गौरनाथ नाग, लैखन बघेल, बुधसन नाग, घनश्याम महापात्र आदि मौजूद थे।

पूर्व विधायक रेखचंद जैन ने कहा कि कांग्रेस इस वक़्त प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने शासन से मांग की है कि प्रभावित परिवारों को तत्काल आवास योजना का लाभ देते हुए आवास उपलब्ध कराया जाए, साथ ही ऋण माफ किया जाए और खेती-किसानी के समस्त लाभ व सुविधाएं प्रदान की जाएं ताकि प्रभावित परिवारों का जीविकोपार्जन हो सके। नुकसान की भरपाई के लिए सर्वेक्षण और शासन द्वारा निर्धारित रकम का वितरण जल्द से जल्द करने की मांग की है।

## विश्व हृदय दिवस पर स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल के नेतृत्व में निकली मेगा जागरूकता रैली

बिलासपुर (आरएनएस)। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर आज मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग बिलासपुर एवं अपोलो हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में मेगा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में आयोजित रैली में बड़ी संख्या में नागरिकों के साथ स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, नगर निगम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।विश्व हृदय दिवस की इस वर्ष की थीम 'डोंट मिस ए बिट' के अनुरूप प्रतिभागियों ने लाल रिबन लगाकर हृदय स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक किया। रैली सीएमडी चौक से प्रारंभ होकर अरपा रिवर व्यू तक पहुंची।स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने विश्व हृदय दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर हृदय रोगों के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने नियमित व्यायाम, संतुलित खान-पान और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए जागरूकता और अनुशासित जीवनशैली बेहद जरूरी है।

# खेल समाचार

## एशियान गेम्सः भारत की बेटियों ने लहराया तिरंगा, 4□400 मीटर रिले में जीता 'गोल्ड', विथ्या ने लगाई 'हैट्रिक'

नागोया(ए.)। विथ्या रामराज ने 'एशियन गेम्स 2026' में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को महिलाओं की 4 400 मीटर रिले में भारत को गोल्ड जिताने में अहम भूमिका निभाई। किरण पहल, एमआर पूवम्मा, प्राची और विथ्या की भारतीय जोड़ी ने (3:29.69 सेकंड) के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया।

बहरीन 3:30.21 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जो भारत से सिर्फ 0.52 सेकंड पीछे था, जबकि चीन 3:31.02 के समय के साथ पोडियम पर तीसरे स्थान पर रहा। जापान 3:31.44 के समय के साथ चौथे स्थान पर रहा, और उसके बाद वियतनाम, कजाकिस्तान, श्रीलंका और चीनी ताइपे रहे।

भारत ने लेन छह से रिले की शुरुआत की और किरण को शुरुआती लेग की जिम्मेदारी सौंपी गई। स्प्रिंटर किरण ने तीसरे स्थान पर बैटन को पास किया, जिससे पूवम्मा पर अंतर को कम करने की जिम्मेदारी आ गई। अनुभवी पूवम्मा ने दूसरे लेग में शानदार प्रदर्शन किया और भारत को आगे की दौड़ में शामिल किया। इसके बाद उन्होंने प्राची को बैटन सौंपा, जो पहले ही 400 मीटर में व्यक्तिगत ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी थीं।

प्राची ने भारत को मेडल की दौड़ में मजबूती से बनाए रखते हुए यह सुनिश्चित किया कि विथ्या को एंकर लेग के लिए अच्छी स्थिति में बैटन मिले। इसके बाद आखिरी लैप विथ्या के नाम रहा। विथ्या ने जल्द ही अपनी लय पकड़ ली और आगे चल रही धावकों से अंतर कम करना शुरू कर दिया।

200 मीटर के निशान के आसपास विथ्या ने अपनी गति तेज की। हालांकि, बहरीन की साल्वा ईद नासर ने पूरी ताकत से पीछा किया और धीरे-धीरे अंतर को कम किया, लेकिन विथ्या ने फाइनल लेग की शुरुआत में ही इतनी बढ़त बना ली थी कि वे इस चुनौती का सामना कर सकें। विथ्या ने दौड़ के आखिरी हिस्से में अपना संयम बनाए रखा और सबसे पहले फिनिश लाइन पार की। यह एशियन गेम्स 2026 में विथ्या का तीसरा मेडल था। इससे पहले वे अपने अन्य इवेंट्स में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी थीं। ठीक एक दिन पहले, उन्होंने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में दशकों पुराना नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा था।विथ्या के लिए, रिले में मिला गोल्ड मेडल उनके शानदार तीन-मेडल वाले सफर का बेहतरीन समापन था। फाइनल में उनके प्रदर्शन ने उन खेलों में एक और यादगार पल जोड़ा, जिनमें उन्होंने पहले ही भारत की बेहतरीन ट्रैक एथलीट्स में से एक के तौर पर अपनी पहचान बना ली थी।

### एशियन गेम्स : परवीन हुड्डा मुक्केबाजी के 65 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंचीं, ली शू को 5-0 से हराया

निशिय (आरएनएस)।भारत की बॉक्सर परवीन हुड्डा मंगलवार को यहां निशियो जिम्नेजियम में चीन की ली शू को 5-0 से हराकर एशियन गेम्स में महिलाओं के 65 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंच गईं। परवीन ने आखिरी दो राउंड में खासतौर पर अपना दबदबा बनाया। उन्होंने पहला राउंड 3-2 के करीबी अंतर से जीता। इस दौरान परवीन ने सावधानी बरतते हुए काउंटर पंच मारे। परवीन ने दूसरे राउंड में अपने हिट्स से दबदबा बनाया, जबकि चीनी बॉक्सर ने भी कुछ पंच मारे। इसके बावजूद, परवीन ने राउंड 5-0 से जीत लिया। भारतीय बॉक्सर तीसरे राउंड में एक बार फिर बेहतर रहीं। उन्होंने सटीक पंच मारे और तीसरा राउंड 5-0 से जीत लिया। सभी पांच जजों ने उनके पक्ष में वोट दिया,

## एशियन गेम्सः शपथ पुरुषों के ट्रैप इंडिविजुअल फाइनल में पहुंचे, टीम मेडल से चूकी

नागोया (आरएनएस)। ट्रैप शूटर शपथ भारद्वाज ने 117 पॉइंट्स के साथ क्वालीफिकेशन में आठवें स्थान पर रहने के बाद पुरुषों के ट्रैप शूटिंग इंडिविजुअल में फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। हांगझोऊ 2023 में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले कायनन चेनाई 115 पॉइंट्स के साथ 16वें और अहवर रिजवी 107 पॉइंट्स के साथ 32वें स्थान पर रहे। दोनों फाइनल से चूक गए। शपथ इंडिविजुअल क्वालीफिकेशन में 117 पॉइंट्स के साथ संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर रहे और कतर के मोहम्मद अल-रुमाही और कजाकिस्तान के अलीशेर ऐसालबायेव के साथ तीन-तरफा शूट-ऑफ में शामिल हुए, जिसमें फाइनल में दो जगह दांव पर थीं। फिर उन्होंने आखिरी दो जगहों के लिए एक नर्वस तीन-तरफा शूट-ऑफ में जीत हासिल की और अल-रुमाही को हराकर मेडल राउंड में अपनी जगह पक्की की।

इस बीच, शपथ, कायनन और अहवर की ट्रैप मेन्स टीम 339 के टोटल स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहने के बाद मेडल से चूक गई।

इससे पहले, नीरू ढांडा, आशिमा अहलावत और मनीषा कीर की विमेंस ट्रैप टीम ने मंगलवार को विमेंस ट्रैप टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता, जिससे शूटिंग में देश के मेडलों की संख्या 13 हो गई।

तीनों ने 125-शॉट के क्वालीफिकेशन राउंड के तीन दिनों के बाद कुल 328 का स्कोर बनाया और सिल्वर के लिए कुवैत की चुनौती पर जीत हासिल की। चीन ने 346 के टोटल स्कोर के साथ गोल्ड जीता, जबकि कुवैत ने 325 के साथ ब्रॉन्ज जीता।

नीरू ने क्वालीफिकेशन में 118 के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर रहने के बाद इंडिविजुअल फाइनल के लिए भी क्वालीफाई किया। आशिमा और मनीषा ने क्रमशः 106 और 104 का स्कोर किया और 16वें और 23वें स्थान पर रहने के बाद फाइनल से चूक गईं।

शूटिंग में 13 मेडल में से भारत के पास सिर्फ एक गोल्ड है, जो मिक्स्ड 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट से आया है। कमलजीत और सुरुचि सिंह ने देश के लिए गोल्ड मेडल जीता। भारत के पदकों की कुल संख्या फिलहाल 46 है, जिसमें 4 गोल्ड, 21 सिल्वर और 21 ब्रॉन्ज मेडल हैं।

## एशियन गेम्स : नीरू ढांडा ने देश को दिलाया पांचवां गोल्ड, महिलाओं की ट्रैप इंडिविजुअल इवेंट में रचा इतिहास

नागोया (ए.)। एशियन गेम्स 2026 में भारत को पांचवां गोल्ड मेडल मिल गया है। अपना पहला एशियन गेम्स खेल रही नीरू ढांडा ने इतिहास रचा है और महिलाओं की ट्रैप इंडिविजुअल इवेंट के फाइनल में 28 के एशियन रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता है। इस इवेंट में गोल्ड जीतने वाली वह भारत की पहली महिला ट्रैप शूटर हैं। नीरू ने क्वालीफिकेशन में 118 के स्कोर के साथ टॉप किया था। फाइनल में उन्होंने 28 के स्कोर के साथ एशियन रिकॉर्ड बनाया और एशियन गेम्स के इतिहास में ट्रैप इवेंट में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसके अलावा, नीरू एशियन गेम्स में ट्रैप इंडिविजुअल इवेंट में पहली भारतीय मेडलिस्ट हैं। नीरू फाइनल में टॉप फॉर्म में थीं। उनका पहला मिस उनके नौवें शॉट में हुआ, जिससे वह थोड़ी देर के लिए तीसरे नंबर पर आ गईं। लेकिन उन्होंने तीसरी और चौथी सीरीज में परफेक्ट हिट्स के साथ तेजी से वापसी की और 20 शॉट्स में 19 हिट्स के साथ टॉप पर पहुंच गईं।

फिर उन्होंने पाचवीं सीरीज में एक शॉट मिस करने के बावजूद अपनी गोल्ड मेडल पोजीशन बनाए रखी। फिर उन्होंने परफेक्ट फाइव हिट्स के साथ शानदार गोल्ड मेडल जीता। नीरू ने अपने पहले एशियन गेम्स में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीतने के रास्ते में 30 में से सिर्फ दो शॉट मिस किए।

चीन की युनोंग सन ने 26 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि कुवैत की निशानेबाज ने 21 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

कॉन्टिनेंटल शोपीस के इस एडिशन में शूटिंग में यह भारत का दूसरा गोल्ड है। कुल मिलाकर, यह आइची-नागोया में भारत का पांचवां गोल्ड है।

## एशियन गेम्स : नीरू का निशाना सटीक, भारत को मिला 5वां गोल्ड; विमेंस ट्रैप टीम ने जीता सिल्वर

नायोगा (ए.)। जापान के आइची-नागोया में जारी एशियन गेम्स 2026 के 10वें दिन भारत ने शानदार शुरुआत की। निशानेबाज नीरू ढांडा ने महिला ट्रैप की व्यक्तिगत स्पर्धा में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतकर भारत को पांचवां गोल्ड दिलाया। इससे पहले नीरू ढांडा, आशीमा अहलावत और मनीषा कीर की तिकड़ी ने महिला ट्रैप टीम स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। इन दो पदकों के साथ भारत की कुल पदक संख्या 47 हो गई है, जिसमें 5 स्वर्ण, 21 रजत और 21 कांस्य पदक शामिल हैं।नीरू ढांडा ने महिला ट्रैप की व्यक्तिगत स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वह एशियन गेम्स में महिला ट्रैप की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय निशानेबाज बन गई हैं। फाइनल में नीरू ने 30 शॉट के बाद 28 हिट के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। चीन की सुन युनोंग 26 हिट के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि कुवैत की हजर अब्दुलमलिक ने 21 हिट के साथ कांस्य पदक जीता। नीरू ने फाइनल में एशियाई रिकॉर्ड भी बनाया।भारत ने महिला ट्रैप टीम स्पर्धा में भी रजत पदक हासिल किया। नीरू ढांडा ने 118, आशीमा अहलावत ने 106 और मनीषा कीर ने 104 अंक हासिल किए। भारतीय टीम का कुल स्कोर 328 रहा और वह दूसरे स्थान पर रही। चीन की टीम ने 346 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि कुवैत की टीम कांस्य पदक जीतने में सफल रही।

### एशियन गेम्स में भारत के पदक अभियान को गुलवीर, प्राची और विथ्या ने और बढ़ाया

नागोया (जापान),(ए.)। एशियन गेम्स में भारत का पदक अभियान लगातार जारी है। गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता, जबकि प्राची चौधरी और विथ्या रामराज ने महिलाओं की 4×400 मीटर रिले टीम के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया।गुलवीर ने कहा कि इन खेलों में यह उनका तीसरा कांस्य पदक है और वह अपने प्रदर्शन से खुश हैं। उन्होंने कहा कि वह रिकॉर्ड पर ध्यान देने के बजाय हर दौड़ में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं। गुलवीर ने अपने परिवार से दूर रहने का जिक्र करते हुए कहा कि यह पदक उनके परिवार को समर्पित है। उन्होंने इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट के सहयोग के लिए भी आभार जताया।प्राची ने कहा कि एशियन गेम्स में दो पदक जीतना उनके लिए बेहद खुशी का पल है। 400 मीटर में कांस्य के बाद रिले टीम के साथ स्वर्ण जीतना उनके लिए इन खेलों को और यादगार बनाता है।विथ्या ने कहा कि टीम के साथ स्वर्ण पदक जीतना उनके लिए बेहद खास है।

## एशियन गेम्सः भारतीय महिलाओं ने ट्रैप शूटिंग टीम इवेंट में सिल्वर जीता, नीरू इंडिविजुअल फाइनल में पहुंचीं

नागोया (आरएनएस)। नीरू ढांडा, आशिमा अहलावत और मनीषा कीर की भारतीय तिकड़ी ने मंगलवार को महिलाओं के ट्रैप टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता, जिससे शूटिंग में देश के मेडलों की संख्या 13 हो गई। भारतीय टीम ने 125-शॉट वाले क्वालीफिकेशन राउंड के तीन दिनों के बाद कुल 328 का स्कोर बनाया और सिल्वर जीतने के लिए कुवैत की चुनौती को हराया। चीन ने कुल 346 के साथ गोल्ड जीता, जबकि कुवैत ने यहां ऐची प्रीफेक्चुरल जनरल शूटिंग गैलरी में 325 के साथ ब्रॉन्ज जीता। हालांकि, नीरू ने क्वालीफिकेशन में 118 के साथ जॉइंट टॉप पर रहने के बाद इंडिविजुअल फाइनल के लिए भी क्वालीफाई किया। आशिमा और मनीषा 106 और 104 का स्कोर करके फाइनल से चूक गईं और क्रमशः 16वें और 23वें स्थान पर रहीं।

इस बीच, कायनन चेनाई, शपथ भारद्वाज और अजहर रिजवी की पुरुषों की तिकड़ी इंडिविजुअल ट्रैप शूटिंग क्वालीफिकेशन के साथ-साथ टीम इवेंट में भी हिस्सा ले रही है।

सोमवार को, ईशा सिंह एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल शूटिंग इवेंट में बहुत कम अंतर से गोल्ड मेडल से चूक गईं और एक नाटकीय शूट-ऑफ के बाद उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

ईशा और चीन की जियाओ जियारुइक्सुआन 50 शॉट के बाद 38 हिट पर बराबर थीं, जिससे एशियन गेम्स के रिकॉर्ड की बराबरी हो गई और गोल्ड के लिए शूट-ऑफ करना पड़ा। दोनों ने पहले शूट-ऑफ में अपने पांच में से चार टारगेट पर निशाना लगाया, इससे पहले जियाओ ने दूसरे शूट-ऑफ में 3-2 से जीत हासिल करके ऐची प्रीफेक्चुरल जनरल शूटिंग गैलरी में खिताब अपने नाम किया।

# कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं

## कई प्रकरणों का मौके पर किया निराकरण,अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

नर्मदापुरम( निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं। श्री मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें।जनसुनवाई के दौरान राजस्व, भूमि विवाद, पेंशन, आवास, बिजली सहित अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुई। इस दौरान उन्होंने कई प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर मौके पर ही निराकरण कराया, वहीं शेष मामलों में समय-सीमा तय करते हुए अधिकारियों को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई में ग्राम रायपुर निवासी पूजा चौरे ने राशन कार्ड एवं पात्रता पर्ची बनाने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को शीघ्र सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। एक अन्य मामले में नर्मदापुरम निवासी माया राजपूत ने अपनी दिव्यांग पुत्री के लिए मुख्यमंत्री निशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के संबंध में आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर ने सामाजिक न्याय विभाग को नियमानुसार सहायता प्रदान करने की निर्देश दिए।ग्राम पांडरी, तहसील इटारसी निवासी राहुल कटारे ने प्रधानमंत्री आवास योजना की तीसरी किस्त की राशि नहीं मिलने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को जांच कर तत्काल आवेदक की समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए। ग्राम सोनखेड़ी तहसील सिवनी मालवा

निवासी सुमन बाई ने राजस्व अभिलेख में नाम दुरुस्ती के सम्बन्ध में आवेदन दिया, कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी सिवनीमालवा को जांच कर समस्या का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत हिमांशु जैन, अपर कलेक्टर राजेश शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। अन्य अधिकारियों ने भी जनसुनवाई में पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनकर उनके त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की।

### विश्व हृदय दिवस पर जिला अस्पताल में बड़ी सौगात, TMT और इको की सुविधा शुरू

नर्मदापुरम (निप्र)। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर 29 सितंबर 2026 को जिला अस्पताल नर्मदापुरम में हृदय रोगियों के लिए महत्वपूर्ण सुविधाओं की शुरुआत की गई। सीएमएचओ डॉ. नरसिंह गेहलोत एवं सिविल सर्जन डॉ. सुनीता कामले के मार्गदर्शन में अब अस्पताल में वयस्कों के लिए TMT (ट्रेडमिल टेस्ट) और बच्चों सहित सभी के लिए इकोकार्डियोग्राफी की सुविधा उपलब्ध होगी। आरएमओ डॉ. गजेन्द्र यादव ने बताया कि इस सुविधा के शुरू होने से हृदय रोग के लक्षण वाले मरीजों को जांच के लिए बड़े शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। समय और पैसे दोनों की बचत होगी। TMT टेस्ट से चिकित्सकीय परामर्श अनुसार मरीज की हृदय की कार्यक्षमता और व्यायाम के दौरान हृदय की प्रतिक्रिया का आकलन किया जा सकेगा। और इकोकार्डियोग्राफी से हृदय की संरचना, वाल्व और पंपिंग क्षमता का मूल्यांकन किया जा सकेगा।

# अधिकारी-कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर एक बार फिर की आवाज बुलंद, दिया ज्ञापन

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने संभागीय आयुक्त श्रीकांत बनोट संभाग नर्मदापुरम संभाग को मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपकर अपनी 23 सूत्रीय मांगों पर जल्द निर्णय लेने की मांग की है। संघ के संभागीय अध्यक्ष भुवनेश्वर दुबे एवं संभागीय सचिव महेश कुमार तिवारी ने बताया कि कर्मचारियों की कई मांगें और पूर्व में की गई कर्मचारी हितैषी घोषणाएं अब भी लंबित हैं। मांगों का निराकरण नहीं होने पर कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है और आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

दुबे ने बताया कि प्रमुख मांगों में पुरानी पेंशन योजना लागू करने, ग्रेच्युटी की सीमा 25 लाख रुपये करने और केंद्र के समान महंगाई भत्ता देने की मांग शामिल है। इसके साथ ही कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना कर्मचारी आयोग का गठन और दो से अधिक संतान संबंधी बाध्यता समाप्त करने की मांग भी रखी गई है। संघ ने दैनिक वेतनभोगी संविदा और स्थाई कर्मचारियों के नियमितीकरण आउटसोर्स कर्मियों को शासकीय सेवक का दर्जा देने और सातवें वेतनमान का पूरा लाभ देने की मांग की है। वहीं पंचायत सचिवों के संविलियन स्टाइपेंड व्यवस्था समाप्त करने शिक्षकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों की पदोन्नति एवं वेतन विसंगतियां दूर करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है। पटवारियों की पदोन्नति और समयमान वेतनमान की विसंगति दूर करने आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने और अतिरिक्त कार्य के लिए मानदेय देने की मांग भी की गई है।इसके अलावा स्वतंत्र वेतन आयोग के गठन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को पदोन्नति पारिवारिक पेंशन की सेवा अवधि 33 से घटाकर 25 वर्ष करने और अनुकंपा नियुक्ति के नियमों को सरल बनाने की मांग रखी गई है।संघ ने मुख्य सचिव स्तरीय स्थायी परामर्शदात्री समिति की बैठक तत्काल बुलाकर सभी मांगों पर समय.सीमा तय कर निर्णय लेने की मांग की है। अन्यथा प्रदेश में साम्यवादी में कर्मचारियों की उक्त समस्याओं का निराकरण नहीं किया जाता है तो निश्चित रूप से संगठन ने आंदोलन की चेतावनी दी ज्ञापन सौंपने वालों में दीपक तिवारी जिला अध्यक्ष हरदा गजराज गौर पल्लव सिंह ठाकुर स्वतंत्र वर्मा दुष्यंत साहब नीरज सेन रामशंकर बुनकर शिवम पांडे जिला कोषाध्यक्ष नर्मदापुरम शैलेंद्र तोमर जिला सचिव नर्मदापुरम श्वेता गौर सुंदर नारायण शर्मा उपाध्यक्ष राजेश चौरे संयोजक सुरेंद्र पटेल सिवनी मालवा सकट सिंह रघुवंशी नरेंद्र रावत एवं संगठन के अनेक पदाधिकारी ज्ञापन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

# आंगनबाड़ी केंद्रों में उत्साह से मनाया गया आंगन मिलन सेवा

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 29 सितंबर 2026 को जिले भर में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नर्मदापुरम शहरी एवं ग्रामीण, इटारसी, सिवनी मालवा, माखननगर एवं केसला में प्रथम दिवस तथा पिपरिया, बनखेड़ी, सोहागपुर में तृतीय दिवस का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केंद्रों में सुरजना एवं फलदार वृक्षों का रोपण किया गया। इसके बाद स्वच्छता गतिविधियां, 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए कुर्सी दौड़ जैसी मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पत्र का वाचन और वीडियो संदेश हितग्राहियों को दिखाया गया। बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर फल-मिठाइयां बांटी गईं। लाड़ली बहना, लाड़ली लक्ष्मी, पीएम मातृ वंदना योजनाओं की लाभार्थी महिलाओं से जनप्रतिनिधियों ने संवाद किया।

**सांसद माया नारोलिया ने जासलपुर में रोपा मुनगा का पौधा**

राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया शहरी क्षेत्र के ग्वालटोली केंद्र क्रमांक-126, आदमगढ़ केंद्र क्रमांक-76 और ग्रामीण क्षेत्र के जासलपुर केंद्र क्रमांक-3 एवं 1 में पहुंचीं। उन्होंने जासलपुर में मुनगा का पौधा रोपा, महिलाओं से आत्मीय संवाद किया और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा कार्यकर्ता व स्वास्थ्य कर्मियों का शॉल-श्रीफल देकर सम्मान किया। बच्चों को खिलौने, फल और मिठाई वितरित कीं।

## सेवा संकल्प अभियान राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने का एक सच्चा माध्यम : डॉ मयंक तोमर

नर्मदापुरम( निप्र)। वार्ड 16 के गिन्नी कंपाउंड स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 56 पर सेवा संकल्प अभियान कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आमंत्रित मुख्य अतिथियों वरिष्ठ समाजसेवी डॉ मयंक तोमर वार्ड पार्षद प्रकाश गौर के स्वागत के साथ आंगनबाडी कार्यकर्ता संगीता गोहला संजू गोहला द्वारा पुष्पगुच्छ से हुई। इस कार्यक्रम में छोटे बच्चों ने खेल गतिविधियों में हिस्सा लिया और विजेताओं को वरिष्ठ समाजसेवी डॉ मयंक तोमर और वार्ड पार्षद प्रकाश गौर ने पुरस्कार दिए। डॉ तोमर ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने का एक सच्चा माध्यम है। साथ ही डॉ तोमर ने बच्चों के बीच फल भी वितरित किए ।कार्यक्रम के दौरान बाल हितग्राही और उनके अभिभावक कॉलोनीवासी मौजूद रहे।

## मां शारदा अस्पताल के द्वारा अनुकरणीय पहल 'खाकी को सलाम'

नर्मदापुरम( निप्र)। मां शारदा अस्पताल द्वारा जिले की साहसी महिला पुलिस कर्मियों के लिए एक विशेष स्वास्थ्य पहल की घोषणा की गई है। दिन रात समाज की सुरक्षा में तैनात रहने वाली पुलिस महिाओं के लिए यह विशेष सौगात है। पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम साईं कृष्ण थोटा द्वारा मां शारदा अस्पताल की डॉ रोमा राय जायसवाल एवं डॉ मलय जायसवाल के सहयोग से 29 सिंतबर 2026 को पुलिस कंट्रोल रूम नर्मदापुरम में महिला पुलिस कर्मियों के लिए नि:शुल्क ओपीडी ;परामर्श पहल की शुरुआत की जिसके अंतर्गत महिला पुलिस कर्मियों को मां शारदा अस्पताल में सोमवार से शुक्रवार सुबह 10 बजे से सायं 04 बजे तक नि:शुल्क ओपीडी परामर्श की सुविधा दी जाएगी।

# मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजनांतर्गत तीर्थयात्रियों का जत्था रवाना

## नपाध्यक्ष नीतू यादव ने पुष्पमाला पहनाकर किया स्वागत दी शुभकामनाएं

नर्मदापुरम( निप्र)। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजनांतर्गत आज नगरपालिका कार्यालय परिसर से करीब 196 लोगों का जत्था स्पेशल ट्रेन से वाराणसी के लिए रवाना हुआ। इस अवसर पर नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा नगरपालिका परिसर में श्रद्धालुओं को पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया गया। साथ ही उन्हें सुखद यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। नपाध्यक्ष श्रीमती यादव के साथ श्रद्धालुओं द्वारा हर.हर महादेव के जयकारे लगाए गए। इस अवसर पर पूर्व महिला मोर्चा अध्यक्ष अर्चना पुरोहित पूर्व मंडल अध्यक्ष रोहित गौर वार्ड क्रमांक 6 के पार्षद राजेंद्र उपाध्याय और जिला प्रशासन सामाजिक न्याय विभाग की ओर से तहसीलदार मिट्ठूलाल पवार सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती यादव ने तीर्थयात्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे प्रदेश मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव श्रवण कुमार की भूमिका निभाकर प्रदेश के लाखों श्रद्धालुओं को विभिन्न धार्मिक स्थलों की नि:शुल्क तीर्थ यात्रा करवा रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से वायु मार्ग से कराई जा रही तीथ.र्दशन यात्रा का जिक्र किया जिसके तहत प्रदेश के कई श्रद्धालु भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या के हवाई मार्ग से दर्शन कर चुके हैं। श्रीमती यादव ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यह ऐतिहासिक यात्राएं निरंतर जारी रहेंगी। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने सभी तीर्थयात्रियों को उनकी मंगलमय और सुखद यात्रा के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

## नमामि नर्मदे सेवा समिति द्वारा भव्य रंगारंग सांस्कृतिक गरबा महोत्सव का आयोजन

नर्मदापुरम( निप्र)। विगत दिवस केसरिया गार्डन हरदा रोड ग्वालटोली प्रांगण में नमामि नर्मदे सेवा समिति के सदस्यों द्वारा विधायक प्रतिनिधि नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि महेंद्र यादव के मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी गोवर्धन यादव ग्वाल नर्मदा सेना अध्यक्ष मोहन यादव संयोजक धनराज यादव की उपस्थिति में भगवान राधाकृष्ण जी की फोटो पर फूलमाला अर्पित के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया गया। जिसमें तय किया गया कि 14,15, 16 अक्टूबर 2026 को पहली बार ग्वालटोली क्षेत्र में श्याम रंग सांस्कृतिक गरबा महोत्सव आयोजन किए जाने पर विचार विमर्श किया गया। जिसमें उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने विचारों के साथ आयोजन की सहमति सहित सामर्थ्य अनुसार तन.मन.धन से सहयोग कर ग्वालटोली क्षेत्र में पहली बार होने जा रहे गरबा महोत्सव के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

# सत्संग में वह शक्ति है जो मनुष्य का जीवन बदल देती है- आचार्य अविनाश मिश्रा

सोहागपुर (निप्र)।वाटिका गार्डन में महर्षि याज्ञवल्क सनातन कल्याण समिति द्वारा आयोजित संगीत मय श्रीमद् भागवत कथा एवं पितृ समर्पित सामूहिक मूलपाठ में कथावाचक आचार्य पं अविनाश मिश्रा ने कहा कि मनुष्य जीवन में जाने अनजाने प्रतिदिन कई पाप होते है। उनका ईश्वर के समक्ष प्रायश्चित करना ही एक मात्र मुक्ति पाने का उपाय है। उन्होंने ईश्वर आराधना के साथ अच्छे कर्म करने का आह्वान किया। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन कथा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने जीवन में सत्संग व शास्त्रों में बताए आदर्शों का श्रवण करने का आह्वान करते हुए कहा कि सत्संग में वह शक्ति है जो व्यक्ति के जीवन को बदल देती है। उन्होंने कहा कि व्यक्तियों को अपने जीवन में क्रोध लोभ मोह हिंसा संग्रह आदि का त्यागकर विवेक के साथ श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए। व्यासपीठाधीश्वर ने भागवत कथा के दौरान कपिल चरित्र सती चरित्र ध्रुव चरित्र जड़ भरत चरित्र कपिल अवतार जय विजय श्राप हिरण्याक्ष हिरण्यकश्यप जन्म आदि प्रसंगों पर प्रवचन करते हुए कहा कि भगवान के नाम मात्र से ही व्यक्ति भवसागर से पार उतर जाता है। उन्होंने भगवत कीर्तन करने ज्ञानी

पुरुषों के साथ सत्संग कर ज्ञान प्राप्त करने व अपने जीवन को सार्थक करने का आह्वान किया । आचार्य श्री ने श्रद्धालुओं के भाव पूर्ण निवेदन पर नानी बाई का मायरा पर भी बहुत मार्मिक प्रसंग सुनाया जिससे श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे । इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी बालपुरी गोस्वामी भाजपा प्रदेश मंत्री राजो मालवीय अधिवक्ता शिवकुमार पटेल राहुल मालवीय नर्मदापुरम श्रीमती निर्मला मालवीय साहबसिंह पटेल पांजरा लालसाब पटेल बैंगनिया रामनारायण मालवीय दुनवारा सुरेश मालवीय रानी पिपरिया वीरेंद्र पटेल प्रांत महामंत्री भारत तिब्बत समन्वय संघ शीतल खंडेलवाल पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष, अर्चना खंडेलवाल अधिवक्ता संघ उपाध्यक्ष अखिलेश मालवीय अशोक कहार माखननगर, श्री राम कृष्ण मेहरा खेमचंद पटैल किवलारी हरगोविंद पुर्विय करनपुर जलज शर्मा सहित बड़ी संख्या में भगवत्प्रेमी भाई बहन उपस्थित रहे।

### कांग्रेस कमेटी आज करेगी चुनाव आयुक्त का पुतला दहन

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला कांग्रेस कमेटी एवं नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा 30 सितंबर दिन बुधवार को शाम 4.30 बजे के एसआईआर के दौरान पक्षपात पूर्वक 13 करोड़ मतदाता के नाम काटने वाले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का मीनाक्षी क्षेत्र स्थित भवानी चौक पर पुतला दहन किया जाएगा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिवाकांत पाण्डेय पूर्व अध्यक्ष नगर कांग्रेस धर्मेन्द्र तिवारी एवं समस्त कांग्रेसियों ने सभी कांग्रेसियों से उपस्थित होने का आग्रह किया है।

# अघोषित कटौती से तिवारी कालोनी के नागरिक परेशान

नर्मदापुरम (निप्र)। अघोषित विद्युत कटौती से नागरिक परेशान नर्मदापुरम तिवारी कॉलोनी में बिजली कंपनी द्वारा लगभग प्रतिदिन घोषित रूप से की जा रही विद्युत कटौती के कारण कॉलोनी रहवासी काफी परेशान है कॉलोनी निवासी मोंनटी गढ़वाल ने जानकारी देते हुए बतलाया कि पिछले

दो माह से इस कॉलोनी में अघोषित रूप से दिन में दो.तीन बार बिजली की कटौती की जाती है जो पांच या 10 मिनट तक रहती है उनका कहना है कि कोई विशेष तकनीकी खराबी के कारण ऐसा हो रहा है क्योंकि कभी-कभी तो ऐसा भी होता है बिजली जाते से ही जैसे ही शिकायत करने के लिए फोन उठाते हैं लाइट आ जाती है हालांकि इस अघोषित कटौती की शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में भी कॉलोनी निवासियों द्वारा की गई है लेकिन समस्या का निराकरण नहीं हो सका है कॉलोनी वासीओ में बिजली कंपनी के प्रति काफी आक्रोश व्याप्त है कॉलोनी निवासियों का कहना है कि अब इस मामले में जिला प्रशासन को हस्तक्षेप करते हुए कॉलोनी वासियों को राहत दिलवाना चाहिए।

## भारतीय किसान संघ ने किसानों की ज्वलंत समस्या से तहसीलदार को अवगत कराया

नर्मदापुरम। डोलरिया ( निप्र)। भारतीय किसान संघ तहसील डोलरिया के प्रतिनिधि मंडल ने किसानों की ज्वलंत समस्या से तहसीलदार को अवगत कराया। वर्तमान की सबसे ज्वलंत समस्या में खाद उपलब्धता टोकन बुकिंग में आ रही समस्याए नेहरों की साफ सफाई डोलरिया मंडी प्रारंभ करना मंडी के गोदाम में डबल लॉक खाद् वितरण केंद्र प्रारंभ करना फायर ब्रिगेड स्थाई उपलब्ध कराना डोलरिया स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाएं दुरुस्त करना ग्राम पंचायत में चल अनियमितताओं की निगरानी करना जंगली जानवरों द्वारा फसल नुकसानी से वन विभाग को करना विद्युत व्यवस्था दुरुस्त करना तहसील परिसर में नव निर्मित किसान बैठक कक्ष पूर्ण व्यवस्थाओं के साथ प्रारंभ करवाना आदि विषयों पर गहन चर्चा हुई। तहसील क्षेत्र के समस्त शासकीय विभागों के साथ भारतीय किसान संघ की प्रत्येक माह बैठक निश्चित की जावे। प्रत्येक मंगलवार तहसील में जनसुनवाई प्रारंभ की जावे ।एसडीएम कोर्ट सप्ताह में दो बार तहसील परिसर में लगाई जावे। आदि प्रमुख बिंदुओं को लेकर तहसीलदार से बिस्तर चर्चा की गई जिस पर तहसीलदार ने अस्वस्थ किया कि शीघ्र ही सभी विषयों पर अमल किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में तहसील अध्यक्ष बादामी लाल साध तहसील मंत्री विनोद कुमार दुबे जिला युवा भवानी संयोजक राजकुमार बैस संजू सेठ ललित सिंह चौहान उपस्थित रहे।

## पंचायत उप निर्वाचन शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न

### सिवनी मालवा जनपद में 74.16 प्रतिशत और नर्मदापुरम जनपद में 70.46 प्रतिशत हुआ मतदान

नर्मदापुरम (निप्र)। पंचायत उप निर्वाचन (पूर्वार्ध) 2026 के अंतर्गत जिले की जनपद पंचायत नर्मदापुरम एवं सिवनी मालवा में विभिन्न ग्राम पंचायतों के लिए मतदान शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान संबंधित मतदान केंद्रों पर मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का उपयोग किया।

जनपद पंचायत सिवनी मालवा अंतर्गत ग्राम पंचायत फरीदपुर खुर्द के मतदान केंद्र क्रमांक 223 पर कुल 536 मतदाताओं में से 405 मतदाताओं ने मतदान किया। यहां मतदान का प्रतिशत 75.56 रहा। वहीं मतदान केंद्र क्रमांक 224 अमलाड़ा खुर्द में कुल 505 मतदाताओं में से 367 मतदाताओं ने मतदान किया, जिसका प्रतिशत 72.67 रहा। दोनों मतदान केंद्रों पर कुल 772 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार जनपद पंचायत सिवनी मालवा के इन दोनों मतदान केंद्रों पर कुल 74.16 प्रतिशत मतदान हुआ।जनपद पंचायत नर्मदापुरम अंतर्गत ग्राम पंचायत सांवलखेड़ा एवं मिसरोद में भी पंचायत उप निर्वाचन के लिए मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। ग्राम पंचायत सांवलखेड़ा के मतदान केंद्र क्रमांक 145 पर कुल 449 मतदाताओं में से 250 मतदाताओं ने मतदान किया।

# *अनकही कहानियां नमो सेवागाथा का मंचन*

*नर्मदापुरम (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा सुशासन और राष्ट्र.निर्माण के सफल 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित नमो सेवा संकल्प अभियान के तहत नर्मदापुरम में विभिन्न सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों की धूम है। इसी कड़ी में साथी जन शिक्षण एवं संस्कृति समिति द्वारा प्रधानमंत्री के जीवन नेतृत्व और अंत्योदय के संकल्प पर आधारित नाटक अनकही कहानियां;नमो सेवागाथा का मंचन किया गया। इस विशेष नाट्य प्रस्तुति का मुख्य उद्देश्य कला और रंगमंच के माध्यम से प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सेवा.सफर की उन अनकही गाथाओं को आम जन तक पहुँचाना है जिन्होंने देश में स्वच्छता स्वास्थ्य महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की नई अलख जगाई है।*

*कलाकारों की जीवंत प्रस्तुति से गूँजा मंच*

*आयोजन के दौरान मंचित नाटक अनकही कहानियाँ में समिति के कलाकारों रिचा शर्मा विजय गुप्ता मयंक मालवीय उत्कर्ष सोनी वैष्णवी सगोरिया विवेक दुबे राज अहिरवार अंश राजपूत और पवन शर्मा ने अपनी जीवंत और भावपूर्ण प्रस्तुति से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे कार्यक्रम का कुशल और प्रभावशाली निर्देशन अभिषेक सैनी द्वारा किया गया। कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय संवादों और मंच.संचालन के ज़रिए नर्मदापुरम के विभिन्न क्षेत्रों व ग्रामीण अंचलों में आम नागरिकों को विकसित भारत 2047 के संकल्प से जोड़ा।*

*स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com*